दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-57
मुरादाबाद
17 June 2024
(Monday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने कहा, हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मिलेगी भरपूर आर्थिक मदद, गोरखनाथ मंदिर में लगा जनता दर्शन

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनी और उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को देते हुए निर्देशित किया।लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता प्रभावी रहने के चलते मार्च माह से स्थगित मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ का जनता दर्शन कार्यक्रम एक बार फिर रविवार से शुरू हो गया। हालांकि, लखनऊ सीएम के सरकारी आवास पर पहले ही इसकी शुरुआत हो गई थी। अब, गोरखनाथ मंदिर में भी शुरू हो गया।शनिवार को गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।गोरखपुर में पिछला जनता दर्शन लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पूर्व 9 मार्च को हुआ था। रविवार सुबह जनता दर्शन में काफी संख्या ऐसे लोगों को थी जो गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार इलाज में भरपूर मदद करने के लिए तत्पर है। हर जरूरतमंद को इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से भरपूर मदद दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के मेडिकल इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जिन पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएंगोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 350 लोगों की समस्याएं सुनीं और समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को देते हुए समाधान के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी पीड़ा दूर की जाएगी। जनता दर्शन में पहुंची एक महिला ने मुख्यमंत्री से इलाज में मदद की गुहार लगाई। इस पर सीएम योगी ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने बताया कि आयुष्मान कार्ड नहीं बना है। मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में जो भी खर्च आना है, अस्पताल से इस्टीमेट बनाकर शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को उक्त महिला का आयुष्मान कार्ड बनवाने का भी निर्देश दिया।साथ ही कहा कि जो भी जरूरतमंद आयुष्मान हेल्थ कार्ड से वंचित रह गए हैं, उनके कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएं। जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी जिले स्तर पर ही समस्या का समाधान सुनिश्चित करें ताकि लोगों को परेशान न होना पड़े। उन्होंने दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली माफ नहीं की जाएगी। हर व्यक्ति की समस्या का पारदर्शिता के साथ समाधान करवाना शासन-प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। और इसमें किसी ने भी लापरवाही की तो उसे दंड का भागी बनना पड़ेगा। इसलिए अधिकारी संवेदनशीलता से लोगों की समस्याओं को सुनें और गुणवत्तापूर्ण, त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। मंदिर की गोशाला में सीएम योगी ने की गोसेवा गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाया। । भ्रमण कर सीएम योगी ने गोवंश को उनके विभिन्न नामों से पुकारा। सीएम योगी की आवाज सुनते ही गोवंश उनके पास आ गए। सीएम योगी ने उन्हें दुलारकर अपने हाथों से उन्हें गुड़-रोटी खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी ली।

गंगा में पांच लाख से ज्यादा ने लगाई आस्था की डुबकी, घाट पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर गढ़ गंगा में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। गंगा घाट पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जाम ने वाहनों की रफ्तार रोक दी। स्नान के लिए श्रद्धालु दो किलोमीटर पैदल चले।हापुड़ जिले के ब्रजघाट गंगा में ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रविवार की सुबह ब्रह्म मुहूर्त आरंभ होते ही चार बजे से गंगा स्नान करना प्रारंभ कर दिया। वहीं कार्तिक पूर्णिमा मेला स्थल लठीरा घाट और पुष्पावती पूठ के गंगा तट पर भी स्नानार्थियों का सैलाब उमड़ा।

सुबह से शुरू हुआ स्नान देर शाम तक निरंतर चलता रहा।भक्ति, मोक्ष और पुण्य के तट पर ज्येष्ठ गंगा दशहरा पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए ब्रजघाट गंगानगरी का कोना कोना भक्ति के सागर में डूबा रहा। सडकों से लेकर गंगा तट तक सिर ही सिर नजर आए। पुलिस ने हादसों से बचाव के लिए गंगा को आने वाले रास्तों को बंद कर दिया। जिसके चलते हाईवे से लेकर गंगा तट तक पहुंचने के लिए लाखों श्रद्धालुओं को करीब दो किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा। इस दौरान गंगा तट पर बैठे पुजारियों से श्रद्धालुओं ने पूजा पाठ कराई, साथ ही हवन पूजन भी कराया गया। जिससे गंगानगरी में रौनक देखने को मिली। प्रशासन के अनुसार ब्रजघाट, पुष्पावती पूठ और खादर के कच्चे घाटों पर करीब पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई है। गंगा पूजन भी कराया- गंगा तट पर नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद समेत अन्य स्थानों से पहुंचे परिवार के लोगों ने गंगा पूजन भी कराया। इस दौरान गंगा तट पर ढोल ताशों के साथ कुआं पूजन कराया और घाट किनारे बैठने वाले पुजारियों को दान भी किया।

बच्चों का कराया मुंडन- श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर ज्येष्ठ गंगा दशहरा के शुभ अवसर बच्चों का मुंडन भी कराया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गंगा मैया से विश्व शांति और बच्चों के उज्जवल भविष्य की मन्नत मांगी। अपर पुलिस महानिदेशक ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश- शनिवार की रात एडीजी मेरठ जोन ध्रुवकांत ठाकुर, एसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी राजकुमार अग्रवाल, सीओ आशुतोष शिवम के साथ गंगानगरी पहुंचे। एडीजी ने गंगा के स्नानघाट, पार्किंग स्थल, हाईवे का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी तरह की भी चूक होने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। वहीं हाईवे पर जाम न लगने देने का निर्देश दिया। एडीजी का निर्देश भी नहीं आया काम, चार घंटे जाम से जूझे श्रद्धालु- शनिवार की देर रात और रविवार की सुबह गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमडऩा शुरू हो गई। जिसके चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर दिल्ली से मुरादाबाद वाले रूट पर जाम की स्थिति बननी शुरू हो गई। अल्लाबख्शपुर टोल प्लाजा पर स्थिति और भी विकट हो गई। जिसके चलते चार घंटे से अधिक समय तक श्रद्धालुओं और राहगीरों को जाम झेलना पड़ा। वहीं लठीरा घाट को जाने वाले कच्चे रास्ते पर व्यवस्था न होने के चलते जाम की स्थिति बनी रही। एसपी अभिषेक वर्मा, एएसपी राजकुमार अग्रवाल समेत अन्य अधिकारी लगातार निरीक्षण करते रहे। पुलिस और यातायात कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद जाम पर काबू पाया जा सका।

संक्षिप्त समाचार

यूएपीए पर ओवैसी की चेतावनी, कहा- चुनाव नतीजों से भी भाजपा ने नहीं ली सीख

शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-मुस्लिमीन के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने चर्चा में बने यूएपीए कानून का विरोध किया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लगा कि चुनाव नतीजों को देख मोदी सरकार सुधर जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-मुस्लिमीन के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी ने चर्चा में बने यूएपीए कानून का विरोध किया। उन्होंने कहा कि गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत हिरासत में लिए गए मुसलमानों, आदिवासियों और दलितों के भविष्य को लेकर चिंता है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लगा कि चुनाव नतीजों को देख मोदी सरकार सुधर जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ओवैसी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा कि यूएपीए कानून आज फिर चर्चा में है। यह बेहद क्रूर कानून है, जिसके तहत हजारों मुस्लिम, दलित और आदिवासी युवाओं को जेल में डाल दिया गया। जिससे उनकी जिंदगी बर्बाद हो गई। एआईएमआईएम प्रमुख ने आगे दावा किया कि 85 वर्षीय स्टेन स्वामी की मौत का कारण सख्त कानून बना। आदिवासी कार्यकर्ता स्वामी की 2021 में न्यायिक हिरासत में मौत हो गई। उन्हें 2018 भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया था। और यूएपीए कानून बनाने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया।

एलन मस्क के बाद राहुल गांधी का भी आया ईवीएम पर बयान, बोले- चुनावी पारदर्शिता पर उठ रहे गंभीर सवाल

भारत में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने लोकसभा चुनाव में ईवीएम के जरिए मतदान किया। चुनाव परिणाम आने के करीब 10 दिन बाद फिर से ईवीएम को सवाल खड़े हो रहे हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ईवीएम को ब्लैक बॉक्स बताया है। और कोई भी इसकी जांच नहीं कर सकता है।हमारे देश में लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं और अब कई राज्यों विधानसभा और उपचुनाव की तैयारियां हो रही है। लेकिन एक बार फिर ईवीएम का जिन्न जाग उठा है। दरअसल विदेश में भी ईवीएम के जरिए चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी देश में ईवीएम के जरिए हो रहे चुनाव पर तंज कसा है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 240, कांग्रेस ने 99 लोकसभा

सीटों पर जीत हासिल की है।संस्थाओं में जवाबदेही की कमी- राहुल गांधी- राहुल गांधी ने कहा कि भारत में ईवीएम एक %ब्लैक बॉक्स% की तरह है, जिसकी जांच करने की अनुमति किसी को भी नहीं है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जब हमारे देश की चुनावी प्रक्रिया के पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब संस्थाओं में जवाबदेही की कमी होती है, तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है। राहुल ने एलन मस्क और मीडिया रिपोर्ट का दिया हवाला- कांग्रेस नेता ने कुछ मीडिया रिपोर्टस को टैग किया, जिसमें ये दावा किया गया है कि मुंबई के उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से मात्र 48 वोटों से चुनाव जीतने वाले शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार के पास एक फोन था, जिससे ईवीएम अनलॉक हो जाता है। राहुल गांधी ने टेस्ला और सोशल मीडिया साइट ड्ड (पहले ट्विटर) के सीईओ एलन मस्क के उस पोस्ट को भी टैग किया, जिसमें एलन मस्क ने लिखा है कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को खत्म कर देना चाहिए, क्योंकि इसे इंसान या एआई के जरिए हैक किए जाने की संभावना कम है, लेकिन फिर भी बहुत अधिक है। भारत में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने EVM â डाला वोट- बता दें कि हमारे देश में तमाम विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम को लेकर चिंता जता रहे हैं, और उन्होंने वीवीपैट पर्चियों की 100 प्रतिशत गणना की मांग की थी, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। वहीं हलिया में खत्म हुए लोकसभा चुनाव की बात करें तो देश में ईवीएम के जरिए हुए चुनाव में जहां 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया, इसमें 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने मतदान किया है। इन आंकड़ों पर खुशी जताते हुए भारतीय चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा था कि भारत ने लोकसभा चुनाव में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह आंकड़ा त्र7 देशों के मतदाताओं का 1.5 गुना और यूरोपीय संघ के 27 देशों के मतदाताओं का 2.5 गुना है।

अगर TDP को नहीं मिला लोकसभा स्पीकर का पद, तो INDIA गठबंधन देगा उन्हें समर्थन, बोले संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि लोकसभा स्पीकर पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2014 और 2019 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा है कि लोकसभा स्पीकर का पद एनडीए गठबंधन के किसी नेता को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है और अगर उन्हें यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि तेदेपा के उम्मीदवार को INDIA गठबंधन का समर्थन मिले। संजय राउत ने कहा कि लोकसभा स्पीकर पद के लिए लड़ाई अहम है। इस बार स्थिति 2014 और 2019 जैसी नहीं है। सरकार स्थिर

नहीं है। हमने सुना है कि चंद्रबाबू नायडू ने लोकसभा स्पीकर का पद मांगा है। अगर एनडीए के उम्मीदवार को यह पद नहीं मिला तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह टीडीपी, जेडीयू और लोजपा (रामविलास) को तोड़ सकते हैं। अगर चंद्रबाबू नायडू को यह पद नहीं मिलता है तो हम ये सुनिश्चित करेंगे कि उनके उम्मीदवार को INDIA गठबंधन का समर्थन मिले।

संपादकीय Editorial

Kuwait's 'Laksha Griha'

Kuwait's Al-Mangaf building can be called 'Laksha Griha' in today's context. 196 foreign workers, labourers etc. were forced to live like sheep and goats in the building. When a fierce fire broke out in this 'Laksha Griha', it kept spreading. There were no fire extinguishing equipment. There was no way to escape from the fire. When the fire started spreading, a stampede situation arose, as a result the labourers were helpless and unable to save their lives. Among those who were burnt to ashes, 45 were Indians. Among them, the maximum 23 were from Kerala, 7 from Tamil Nadu, 3 from Andhra Pradesh and one each from UP, Bihar, Punjab, Haryana, Odisha, Jharkhand, Maharashtra, Karnataka and West Bengal. In fact, Indians go to work, do profession and open business all over the world. The aim is to earn maximum money and send some money back to relatives in India, but the figures of tragedies are not limited to Gulf countries only, rather in countries like America, Russia, Canada, Britain, Australia, Germany, not only labourers but also Indian students have been victims of tragedies. Since so many Indians work in Kuwait as labourers, masons, carpenters, electricians, factory and domestic workers, food delivery agents that they are more than 20 percent of the total workforce there. Nearly 10 lakh Indians live and work in Kuwait. According to the data of the Ministry of External Affairs, nearly 88 lakh Indians live and work in Gulf countries. The incident of Kuwait building is not only tragic but also inhuman. Nearly 50 Indians have also been injured. Kuwait's Deputy Prime Minister Sheikh Fahad Yusuf Al-Sabah accused the building owners of greed and said that this tragedy happened due to violation of building standards, but we cannot be satisfied with only the reasons. India's basic question is whether the Kuwaiti government will take strict action against the 'Laksha Griha' people? Actually, this is a question of collective life. Gulf and Arab countries are very attractive destinations for jobs, wages, skilled-professional employment. According to the rules of the International Labor Organization, minimum wages are fixed for workers abroad. For Kuwait, India, along with the states, had set a limit of 300-1050 dollars for 64 categories of work in 2016. Indian workers in Kuwait have to struggle from discrimination to poor, inhuman working conditions. According to Human Rights Watch, migrant workers keep falling prey to abuse, forced labor and deportation etc. An investigative report revealed that when the football stadium was under construction in Qatar, the life of the Indian workers who were working there was very uncertain and difficult. Of course, Gulf countries pay a hefty salary and a good daily wage, but unskilled, semi-skilled and independent workers have reduced the bargaining power of other migrant skilled workers. Most of the semi-skilled workers are employed through some agency or middleman, so they compromise with any condition of work and housing. The conditions of work and housing are not good. The worker becomes a 'hostage' of the employer, because he cannot choose any better work and housing. India has signed MoUs with the countries of West Asia including Kuwait. The process of recruiting workers and the conditions of legal protection for the workers have been decided with them, but the legal process is very long and uncertain. Fighting cases in the courts is very expensive, so Indians have to compromise with work opportunities and housing etc. Exploitation arises from the womb of these conditions. Anyway, now human rights groups have also expressed concern and concern over this tragedy. Actually, the condition of workers in many Arab countries is very inhuman.

Respect: The message of taking oath in Hindi is very deep

Whether it is the swearing in of most ministers in Hindi or the increasing use of Hindi by the top of the system, it sends a message down to the bottom. Place: Rashtrapati Bhavan, summer of 2009. The swearing in of the cabinet was going on. The applause would start as soon as the ministers took the oath and then stop. Meanwhile, as soon as the oath words of a young leader stopped... Rashtrapati Bhavan echoed with applause. This time the applause was a bit louder and longer than for the other ministers. That young minister was Agatha Sangma. The reason for the guests' attention being drawn towards Agatha Sangma, daughter of former Chief Minister of Meghalaya and former Speaker of Lok Sabha P.A. Sangma, was her Hindi. This happened because Agatha was a leader from the Northeast and at that time English used to dominate the oath taking. For most educated leaders from Hindi speaking regions, taking oath in Hindi was considered a disgrace. But the situation has changed in the Modi government. On the evening of June 9, 71 ministers were sworn in along with Prime Minister Narendra Modi in the courtyard of Rashtrapati Bhavan. Out of these, 55 ministers were sworn in Hindi. This was perhaps the first swearing-in ceremony in the history of independent India, in which two-thirds of the ministers pledged to discharge their duty towards the nation in Hindi. Modi government's fondness for Hindi is such an issue that even its staunchest opponents cannot criticize. Since most of the top leadership is comfortable in speaking and writing Hindi, the importance of Hindi has increased in the Modi government as compared to before. Whether it is Prime Minister Modi or Home Minister Amit Shah or Defense Minister Rajnath Singh, the primary language of all three big leaders is Hindi. Agriculture Minister Shivraj Singh Chauhan is also more comfortable in Hindi. Nitin Gadkari is comfortable in Marathi, Hindi and English. Since Hindi is the working language of most of the leaders comfortable in Indian languages, perhaps that is why they gave importance to Hindi in the swearing-in ceremony. Due to two hundred years of British rule and 160 years of English education, India has reached a point where English cannot be denied. Of course, the initial leadership of independent India talked about promoting regional languages ??and Hindi, but there was more formality and less practicality in it. This is the reason why the dominance of English increased in the social and systemic life of independent India as compared to Indian languages. After liberalization, when Western economic interference increased, corporatization became a parallel system for Indian development, the dominance of English started increasing again as compared to Indian languages. Its effect was seen in our social and political life as well as in bureaucracy. In such an environment, the rise of Narendra Modi came as a new ray of hope for Hindi and other Indian languages. The use of Hindi increased in the bureaucracy. The bureaucracy that comes in more contact with the top of the government also seems eager to learn Hindi. One day a top bureaucrat appealed to the writer of these lines to teach Hindi. It will be said to be the effect of this positive change in the government system towards Indian languages ??and Hindi that in the new education policy also, Hindi and regional languages ??have been advocated for the medium of primary level education. Whether it is the oath taking of most of the ministers in Hindi or the increasing use of Hindi by the top of the system, these send a message to the bottom. In the system adopted by the Union Public Service Commission for the selection of top bureaucracy, the success rate of students studying in Indian languages ??and Hindi medium is very low. Therefore, even now English dominates the bureaucracy. Such bureaucrats are not comfortable working in local languages. Even today, local languages ??are missing from the basic thinking at the level of bureaucracy. Whether it is thinking or policy making, English dominates. Perhaps this is the reason why even now English is considered the language of elite and urban society. Even in such an environment, if 55 ministers take oath in Hindi, then it should be welcomed. The oath in Hindi not only inspires the common people to have affection and respect for Indian languages, but also teaches them to love the cultural and linguistic heritage of India.

Situation: They have to fill many stomachs, this compulsion becomes the cause of many troubles

Indian labourers are taken to Gulf countries by showing them sweet dreams, but they are not given the salary and facilities as promised. Their compulsion can be understood that they get more wages there than in their country and they also have to send money to their families. In Gulf countries, which include Kuwait, Bahrain, Iraq, Oman, Qatar, Saudi Arabia and United Arab Emirates (UAE), there is a demand for a large number of Indian workers. Most of these workers are associated with building construction. People associated with nursing service also go. There are more than one million Indians in Kuwait's total population of 49 lakh, which is the largest migrant population there. Indian labourers are taken to Gulf countries by showing them sweet dreams, but they are often not given the salary and facilities as promised. Since they get more wages there than in their country, and there is a crisis of employment in their country, they leave their homes and go to Gulf countries in search of a better life. When workers do not get the remuneration and facilities as promised, they have no other option. They do not even have enough money to return. Sometimes, their passports are also confiscated by the company owners. Therefore, they reluctantly start working there and silently endure exploitation. There is no proper arrangement for their accommodation, often four to five people are kept in one room. On June 12, 49 people died in a fire in a workers' residential building in Mangaf in the southern Ahmadi province of Kuwait, out of which 45 were Indians. 196 workers were kept in this building. When the fire broke out, people could not even come out because the building did not even have emergency exits and safety equipment. The government there itself admitted that the safety standards were not followed at all in the building in which the fire broke out. This is not the situation of only one building in Kuwait or it does not happen only in this country, but in almost every Gulf country, workers are treated in a similar manner. Gulf countries have the best buildings and safety measures in them, but when it comes to workers, they are given accommodation in crowded places with minimal facilities. That is why such accidents happen. I have myself seen in Haiti that four people were kept in one room.

This is also a violation of the local laws there. The agents of foreign companies in India make arrangements to send workers abroad. For example, when a worker has to be taken, he is promised that he will be paid 300 dollars, but on reaching there he is paid less wages. Actually, this racket of agents is the one that does all the wrong. The owners of the companies in which the workers go to work are very rich. The agents do not pay the workers the amount they take from the company owner. Not only this, the work for which they are taken from here, they are put to other work there. Recently, many Indians who were recruited in the Russian army died. Actually they were taken for other works. But he was sent to fight in the army, as a result he lost his life in the war against Ukraine. The Indian government has made many rules to ensure that workers do not face any problems abroad and Indian embassies in the respective countries are also ready to help them. The Indian government became active immediately after the incident in Kuwait. Prime Minister Narendra Modi himself held a high-level meeting and announced an immediate grant of Rs 2 lakh to the family of each deceased. External Affairs Minister Dr. S. Jaishankar spoke to the Foreign Minister of Kuwait and Minister of State for External Affairs Kirti Vardhan was sent there. The ambassador there also visited the site of the incident and the hospitals where they have been admitted to know about the condition of the injured. However, the Kuwaiti government is also helping in every possible way. Workers from other countries also live in the Gulf countries. But the government of India takes as much care of its people as the government of India does, no other government. To prevent exploitation of Indians abroad, the Indian government has created the 'Madad' portal, on which you can take help. Help is also available through a portal called 'e-Migrate'. Apart from this, Indian embassies in every country hold open courts where any Indian living abroad can ask for help by telling their problems. The embassy tries to help them in every possible way. Our government has made a rule that no woman below the age of 35 years will go to Gulf countries to work as a labourer or for domestic work, because there have been complaints of physical exploitation of women. However, the situation has changed now as compared to earlier. Workers going abroad are given training at many levels along with language training. All the data of the employer companies hiring the workers is taken out and a thorough investigation is done. However, many times Indians living abroad get into trouble due to not following the advisory of the embassies. When I was the ambassador in Libya, I told the Indians that war can break out here anytime, so leave from here as soon as possible, but no one paid attention to it. When the bombing started, there was a stampede. Their relatives in India started demanding from the government to evacuate their relatives. Somehow, I myself helped 430 people. They were evacuated from there. The government sent them back to their homeland by Air India flight. Certainly, the Indian government has made good arrangements for the safety of workers going abroad, but it will have to strengthen its system further so that the companies of those countries and the agents sending them do not cheat the workers and provide them wages and facilities as promised. This should be strictly followed.

नई समय सारिणी लागू करने के लिए रेलवे ने शुरू की तैयारी, एक जुलाई से बदला जाएगा मुरादाबाद से गुजरने वाली 20 ट्रेनों का समय

मुरादाबाद-एक जुलाई से रेल मुख्यालय नई समय सारिणी लागू करने जा रहा है। जिसके लिए रेलवे प्रशासन ने सभी तैयारी कर ली हैं। जिसके तहत रेल मंडल के मुख्यालय मुरादाबाद से गुजरने वाली 20 ट्रेनों के समय में आंशिक बदलाव किया जाना संभव है। इसके अलावा एक जुलाई से पैसेंजर ट्रेनों के नंबर से जीरो भी हट जाएगा।कोरोना महामारी में पैसेंजर ट्रेनों को बंद कर दिया गया था, लेकिन कोरोना महामारी खत्म होने के बाद पैसेंजर ट्रेनों को बहाल कर दिया गया था। जिसके बाद से इस पैसेंजर ट्रेनों के नंबर में जीरो लगाकर स्पेशल का टैग देकर चलाया जा रहा था। जिसमें किराया भी बढ़ गया था।

इस बीच फरवरी में रेलवे ने पुराना किराया बहाल किया। अब जुलाई में नंबर से जीरो हटने के साथ स्पेशल का टैग भी समाप्त कर दिया जाएगा। फिलहाल रेलवे ने जीरो नंबर व नए टाइम टेबल की तैयारियां पूरी कर ली हैं। परिवर्तन के लिए मंडल स्तर पर भी तेजी से फीडिंग चल रही है। देहरादून, योगनगरी ऋषिकेश से चलने वाली ट्रेनों के समय में भी थोड़ा परिवर्तन हो सकता है। मंडल में नए ठहराव शुरू होने की संभावना बहुत कम है। क्योंकि मार्च में ही कुछ नए ठहराव शुरू किए गए थे। इससे पहले रेलवे अपनी नई समय सारिणी अक्तूबर में जारी करता था। पिछले चार साल में कई वंदे भारत ट्रेनें चली हैं। मुरादाबाद मंडल में कोटद्वार से दिल्ली तक नई ट्रेन भी चलाई गई। फ्रेट कॉरिडोर पर भी काम हुआ है। ऐसे में कुछ मालगाड़ियां डीएफसीसी वाली लाइन पर शिफ्ट हो गई हैं। इसलिए ट्रेनों के समय में बदलाव की गुंजाइश है। फिलहाल एक जुलाई से रेलवे नया टाइम टेबल लागू करने जा रहा है। नया टाइम टेबल इस बार जल्दी जारी हो सकता है। मुख्यालय के निर्देशों पर काम चल रहा है। पैसेंजर ट्रेनों का पुराना किराया फरवरी में बहाल हो चुका है। अब नंबर से जीरो भी हटाया जाएगा।- आदित्य गुप्ता, सीनियर डीसीएम

संभल तिराहा पर बनाया गया पुलिस सहायता केंद्र, SSP ने फीता काटकर किया उद्घाटन

मुरादाबाद-गलशहीद थाना क्षेत्र में संभल तिराहा पर रविवार को नया पुलिस सहायता केंद्र प्रारंभ हो गया है। एसएसपी हेमराज मीना ने फीता काटकर सहायता केंद्र का उद्घाटन किया है। इस मौके पर एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया भी थे। एसएसपी ने बताया कि गलशहीद थाना क्षेत्र में संभल तिराहा अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहां पर अक्सर भीड़ रहती है। जाम जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जब भी कोई बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं जैसे-कांवड़ यात्रा, मोहर्रम या कोई अन्य पर्व होता है तो इस तिराहा पर और अधिक यातायात प्रभावित होता है। इस तरह संभल तिराहा पर काफी दिक्कत बनी रहती है।

उन्होंने कहा कि संभल तिराहा पर ड्यूटी में लगने वाले पुलिसकर्मियों के बैठने के लिए और यातायात नियंत्रण के लिए सहायता केंद्र के रूप में कोई उचित जगह नहीं थी। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इधर-उधर खड़े होकर व्यवस्था संभालनी पड़ती रही है। इसी क्रम में रविवार को संभल तिराहा पर पुलिस सहायता केंद्र बनाया गया है। इसमें पुलिसकर्मियों के उठने-बैठने की सुविधा हो गई है। आने वाले समय में जितने भी त्योहार हैं, उन पर्वों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने में भी इस सहायता केंद्र का लाभ मिलेगा। कोई व्यक्ति आकर सहायता केंद्र पर मदद प्राप्त कर सकेगा। हालांकि, अभी तक संभल तिराहा पर पुलिसकर्मियों के लिए निश्चित जगह नहीं थी। इसलिए सहायता मांगने वाले को पहले पुलिसकर्मियों को तलाशना पड़ता था। एसएसपी ने कहा कि संभल तिराहा के पड़ोस में रोडवेज बस अड्डा भी है और रामपुर जाने वाला मार्ग भी है। इसलिए रात में भी यहां लोगों की सक्रियता बनी रहती है। उन सभी को यहां सहायता केंद्र से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस सहायता केंद्र पर 24 घंटे स्टॉफ की तैनाती की जा रही है। पुलिसकर्मी लगातार जनता की सेवा में रहेंगे और यातायात जाम होने की समस्या भी कम होगी।

सप्तक्रांति की पेंट्रीकार में पकड़े बिना टिकट यात्री, कर्मी करा रहा था यात्रा, चेकिंग पर खुली पोल

मुरादाबाद-सप्तक्रांति एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में बिना टिकट यात्रा करते हुए यात्री पकड़े गए। जब चेकिंग टीम ने यात्रियों से पूछताछ की तो पता चला एक कर्मी सभी को यात्रा करा रहा है। अधिकारियों ने इसके जांच के आदेश दे दिए हैं। आनंद विहार से मुजफ्फरपुर जा रही (12558) सप्तक्रांति एक्सप्रेस की पेंट्रीकार में रेलवे की टीम ने चेकिंग की। टीम को सूचना मिली थी कि पेंट्रीकार में संचालक बिना टिकट यात्रियों को सफर करा रहा है।मुरादाबाद में गाड़ी चेक की गई तो 50 से ज्यादा यात्री थे, जिनमें से 23 ही हाथ लगे। पेंट्रीकार मैनेजर भी भाग निकला। रेलवे के टिकट चेकिंग स्टाफ ने इन बिना टिकट यात्रियों पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।रेड की सूचना सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता को भेजी गई। चेकिंग करने वाली टीम में सीआईटी एसके सिन्हा, भावेश शर्मा, अतुल कुमार, दीप्ती सैनी व आरपीएफ स्टाफ मौजूद रहा। पेंट्री कार मैनेजर को पकड़ने के लिए बरेली की टीम को भी निर्देशित किया गया लेकिन वहां भी वह हाथ नहीं आया। जम्मू से गोरखपुर के बीच चलेंगी दो स्पेशल ट्रेनें- गर्मियों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने गोरखपुर से जम्मू के शहीद कैप्टन तुषार महाजन रेलवे स्टेशन तक दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें 18 व 19 जून को चलेंगी और मुरादाबाद से होकर गुजरेंगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि 18 जून को ट्रेन स्टेशन से तड़के 3ः15 बजे चलेगी। जम्मूतवी, पठानकोट, लुधियाना, अंबाला, सहारनपुर, रुड़की होते हुए शाम 5ः45 बजे मुरादाबाद पहुंचेगी। 10 मिनट रुकने के बाद बरेली, सीतापुर, गोंडा होते हुए अगले दिन सुबह 4ः30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। दूसरी ट्रेन (04664) 19 जून को तड़के 3ः15 बजे शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन से चलेगी।

गंगा दशहरे के अवसर पर जगह-जगह हुआ खिचड़ी एवं शरबत वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच
सिकंदर रजा

मुरादाबाद- एक तरफ जहां पूरे देश में गंगा दशहरे का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया वहीं मुरादाबाद में भी भारत विकास परिषद् लक्ष्य शाखा द्वारा मेसर्स गंगा प्लाईवुड बुद्ध बजार में गंगा दशहरा के अवसर पर शरबत एवं खिचड़ी वितरण का कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ रोहित अग्रवाल अध्यक्ष श्रीमती ऐश्वर्या सिंह गोयल सचिव, रितिक सिंघल कोषाध्यक्ष एवं शिल्पी अग्रवाल महिला संयोजिका यश सिंधल, अश्वनी रस्तोगी, श्रीमती शिप्रा रस्तोगी, रजत गोयल, प्रलभ आदि लोग मौजूद रहे

एसएसपी ने किया पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर रजा

मुरादाबाद- मुरादाबाद में रविवार को शहर के रामपुर रोड स्थित संभल तिराहे पर पुलिस सहायता केंद्र का एसएसपी के द्वारा उद्घाटन किया गया, एसएसपी द्वारा नवनिर्मित पुलिस सहायता केन्द्र का किए गए उद्घाटन का उद्देश्य आम जनमानस को आवश्यकता पड़ने पर तुरन्त सहायता प्रदान की जा सके और अपराध व अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके, एसएसपी ने बताया कि जाम की समस्या और त्यौहारो को देखते हुए पुलिस साहयता क्रेंद्र स्थापित किया गया हैं, यहां पुलिस कर्मियों की तैनाती कर लोगो की समस्याओं को भी सुना जाएगा, सहायता क्रेंद्र में 24 घंटे पुलिस जनता की सेवा के लिए तत्पर रहेगी। एसएसपी हेमराज मीना ने पुलिस सहायता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर बताया कि थाना गलशहीद क्षेत्र संभल तिराहा बहुत ही महत्वपूर्ण तिराहा है, अक्सर यहां ट्रैफिक जाम की समस्या रहती हैं, इसके अलावा यहां सहायता केंद्र के रूप में और पुलिस कर्मियों के बैठने के लिए कोई जगह नही थी, इसी को देखते हुए यहां पर पुलिस सहायता केंद्र स्थापित किया गया, एसएसपी ने बताया सहायता केंद्र में 24 घंटे पुलिस कर्मी जनता की सेवा के लिए तत्पर रहेंगे।

पतित पावनी गंगा में डुबकी लगाने को उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, कराए गए धार्मिक अनुष्ठान

मुरादाबाद-दशहरे के मौके पर तिगरी और ब्रजघाट में गंगा स्नान करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने गंगा घाट के किनारे धार्मिक अनुष्ठान कराए। इस बीच कई जगहों पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। गंगा दशहरा पर तिगरी व ब्रजघाट में गंगा स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने पतित पावनी में स्नान कर पुण्य कमाया। उगते सूरज को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही सुख समृद्धि और परिवार पर आशीर्वाद बनाए रखने की कामना करते हुए धार्मिक अनुष्ठान कराएपुरोहितों को दान दक्षिणा देकर तृप्त किया। गंगा तट हर हर गंगे के उदघोष से गूंज उठा। रविवार को ज्येष्ठ दशहरा पर ब्रजघाट व तिगरी गंगा में स्नान कर पुण्य कमाने की लालसा लिए श्रद्धालु तड़के ही गंगा तट पर पहुंच गए थे। सूरज की किरण निकलने से पहले ही गंगा में डुबकी लगाना शुरू कर दियाश्रद्धालुओं की भीड़ इस कदर उमड़ी की सभी रिकॉर्ड टूट गए। तिगरी निवासी पंडित गंगा शरण शर्मा ने बताया कि ज्येष्ठ दशहरा पर बीते दस साल में श्रद्धालुओं की इतनी भीड़ कभी नहीं आई। तड़के तीन बजे से श्रद्धालुओं के स्नान का सिलसिला शुरू हो गया था। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने तिगरी व ब्रजघाट गंगा तट पर धार्मिक अनुष्ठान कराए। कई परिवारों द्वारा बच्चों को गंगा में स्नान कराया गया। रिश्तेदारों, परिचितों के लिए दावत का इंतजाम किया। स्नान के कारण ब्रजघाट गंगा पुल पर वाहन बेहद धीमी रफ्तार से चलते रहे।

संक्षिप्त समाचार

फाइनेंसर को नंगा कर पेड़ से बांध लाठियों से पीटा, वीडियो वायरल

मुरादाबाद- ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। उधार वाले रुपये मांगने पर फाइनेंसर को आरोपियों ने बहाने से बुलाकर गमछे से उसके हाथ कसकर पेड़ से बांधा और फिर अर्द्धनग्न कर उसे लाठियों से पीटा। आरोप है कि उसके साथ कुकर्म करने की भी कोशिश हुई। यही नहीं, आरोपियों ने इस कृत्य का वीडियो भी बनाया और इंटरनेट पर वायरल कर दिया है। घटना एक जून को दोपहर की है। लेकिन, आरोपियों की धमकी से भयभीत पीड़ित ने घटना के बारे में घर में भी नहीं बताया। 13 दिन बाद जब वायरल वीडियो देखा तो घर वालों को जानकारी हुई। पीड़ित को गुरुवार को सुरजनपुर पुलिस चौकी ले गए, जहां चौकी इंचार्ज को घटना बताई।शेरपुर पट्टी गांव निवासी पीड़ित का कहना है कि पुलिस ने शुक्रवार को ही मुख्य आरोपी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन उठा भी लिया था लेकिन, शनिवार सुबह उसे छोड़ दिया। जिस पर पीड़ित ठाकुरद्वारा तहसील में चल रहे समाधान दिवस में पहुंचा था। यहां उसने एसएसपी हेमराज मीना को प्रार्थना पत्र देकर आपबीती बताई और वायरल वीडियो भी दिखाए। जिस पर एसएसपी ने मामले का तुरंत संज्ञान लिया और उनके निर्देश पर ठाकुरद्वारा थानाध्यक्ष शैलेंद्र चौहान ने पीड़ित की तहरीर पर ज्ञात दोनों आरोपियों के विरुद्ध नामजद एफआईआर दर्ज की है। इसमें दो अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया है। नामजद आरोपियों में शेरपुर पट्टी निवासी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन पुत्र जगदीश यादव और डिलारी थाने के गांव गुलड़िया निवासी सचिन यादव हैं। इतना ही नहीं, हरकत आई पुलिस ने कुछ ही देर में मुख्य आरोपी काली डॉन को उठा भी लिया है। उधर, एसएसपी ने सीओ ठाकुरद्वारा को पूरी घटना और सुरजनपुर चौकी पुलिस पर लगे आरोपों की जांच के आदेश भी दिए हैं। पीड़ित ने बताया कि उसकी शिकायत सुनकर एसएसपी ने सुरजनपुर चौकी इंचार्ज को भी बुलाकर नाराजगी जाहिर की। दूसरी तरफ, सीओ ठाकुरद्वारा राजेश तिवारी ने बताया कि घटना जानकारी में आते ही पुलिस सक्रिय हो गई है और मुख्य आरोपी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन को हिरासत में लिया है। इससे पूछताछ की जा रही है। साथ ही अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। पीड़ित ने बताई घटना और कारण-पीड़ित शानू मलिक ने बताया कि आरोपी परवेंद्र यादव उर्फ काली डॉन उनके घर के सामने रहता है। इसका दोस्त सचिन यादव है। पीड़ित ने बताया कि वह फाइनेंस का काम करता है। डेढ़ साल पहले सचिन ने बीमारी का बहना बनाकर उससे 5,000 रुपये उधार लिए थे। इधर, पीड़ित की पत्नी की डिलीवरी होने वाली थी। इसलिए उसने सचिन से अपने उधार वाले रुपये वापस मांगे थे। जिस पर सचिन ने पीड़ित को कांठ मार्ग पर पुलिया पर बुलाया था। वहां काली डॉन, सचिन यादव और दो अन्य लोग मौजूद थे। इन लोगों ने उसे देखते ही दौड़कर पकड़ लिया। गमछे से उसके हाथ कसकर पेड़ में बांध दिया और उसके अंडरगारमेंट्स भी उतार दिए और फिर उसे लाठियों से पीटा। पीड़ित का आरोप है कि इन चारों ने उसके साथ कुकर्म भी करने की कोशिश की। इस पूरी घटना का उन लोगों ने वीडियो भी बना लिया था, जिसे वायरल कर दिया है।

गंगा दशहरा पर जगह -जगह राहगीरों को पिलाया गया शर्बत

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। गंगा अवतरण दिवस गंगा दशहरा के पावन मौके पर रविवार को नगर में व्यापारियों, समाजसेवियों ने राहगीरों को शर्बत पिलवाया। खाटूश्यामजी मन्दिर में भक्त सर्वेश कुमारी,ऋषभ, मोहित, अनिल गुप्ता, पण्डित वीरेन्द्रदत्त शुक्ला, गुड्डू पाण्डेय, रामकृपाल पाण्डेय गंगा मैय्या की विशेष पूजा-अर्चना कर प्रसाद वितरित किया।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बेटी को नहर में फेंका: मासूम पैर पकड़कर अब्बू-अब्बू चिल्लाती रही...दरिंदे को रहम न आया; दिल दहलाने वाली वारदात

मेरठ से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पिता ने ढाई साल की बच्ची को गंगनहर में फेंक दिया। पूछताछ में आरोपी ने बेटी को नहर में फेंकने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस गंगनहर में बच्ची की तलाश कर रही है।मेरठ के सरधना थाना क्षेत्र के मंढियाई गांव में पिता ने शुक्रवार रात ढाई साल की मासूम बच्ची इकरा को गंगनहर में फेंक दिया। घटना की जानकारी होने पर पुलिस ने शनिवार को आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने बेटी को गंगनहर में फेंकने का अपराध स्वीकार कर लिया।आरोपी ने पांच साल के बेटे उवैश को पीटने के कारण मासूम बच्ची को गंगनहर में फेंकने की बात कही है। लेकिन आरोपी की बताई वजह किसी के गले नहीं उतर रही। क्योंकि आरोपी की दो मासूम बच्चियों की दो साल पहले भी संदिग्ध हालात में मौत हो चुकी है।गांव मंढियाई निवासी सुल्लू उर्फ सुलेमान पुत्र इब्राहिम मजदूरी करता है। परिवार में पत्नी महरूनिशां और बेटा उवैश (5) है। इनके अलावा दंपती की तीन बेटी इलमा, इकरा (ढाई वर्ष) और अलीना थी। दो वर्ष पूर्व जब इलमा चार साल और अलीना तीन माह की थी। तब दोनों की संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी। अब शुक्रवार की रात सुल्लू अपनी तीसरी बेटी इकरा को लेकर गंगनहर की ओर जाता दिखाई दिया। कुछ देर बाद वह अकेला वापस लौटा। ग्रामीणों ने उससे बेटी के बारे में पूछा तो उसने कुछ नहीं बताया। तभी किसी ने पुलिस को सूचना दी कि एक व्यक्ति ने किसी मासूम बच्चे को गंगनहर में फेंका है। शक होने पर पुलिस ने सुल्लू के फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन वह वह मोबाइल स्विच ऑफ कर फरार हो गया। पुलिस ने गांव में जांच-पड़ताल की तो मासूम बच्ची को गंगनहर में फेंकने का मामला सामने आया। पुलिस रात भर आरोपी को तलाश करती रही। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने में पूछताछ की। शुरूआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करने का प्रयास करता रहा। लेकिन बाद में आरोपी ने बेटी को गंगनहर में फेंकने की जानकारी पुलिस को दे दी। आरोपी ने बताया कि इकरा उसके बेटे उवैश से मारपीट करती थी। इससे क्षुब्ध होकर उसने इकरा को गंगनहर में फेंका है। गोताखोरों की मदद से पुलिस बच्ची को तलाश रही है। मासूम पैर पकड़कर अब्बू-अब्बू चिल्लाती रही, नहीं आया रहम- ढाई साल की मासूम बच्ची इकरा को गंगनहर में फेंकने की वारदात का खुलासा होने के बाद पुलिस ने मामले गहनता से पड़ताल कर रही है। पुलिस ने आरोपी को घटनास्थल पर ले जाकर क्राइम सीन दोहराया कराया। इसमें पता चला कि मासूम बच्ची को बेरहम पिता के इरादे की भनक लगी तो वह पिता के पैर पकड़कर अब्बू-अब्बू चिल्लाने लगी। मासूम बच्ची जान बख्शने की गुहार लगाती रही। लेकिन बेरहम पिता को को तरस नहीं आया। आरोपी ने अपना पैर छुड़ाकर बच्ची को गंगनहर में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी गांव मंढियाई निवासी सुल्लू उर्फ सुलेमान ने इकरा को नहर में फेंकने के बाद वारदात को छुपाने के लिए पुलिस को अपहरण की सूचना दे दी थी। बकरीद से पूर्व मासूम बच्ची के अपहरण की सूचना मिलने पर पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिस ने अभी जांच पड़ताल शुरू ही की थी कि तभी पुलिस को सूचना मिली कि कोई शख्स बच्चे को गंगनहर में फेंककर भाग गया है। पुलिस ने सुल्लू के घर से गंगनहर के बीच लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली। फुटेज में आरोपी बच्ची को अपने साथ ले जाता दिखा। इससे पुलिस को आरोपी पर शक हो गया। लेकिन तब तक आरोपी भाग गया। पुलिस ने आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ लिया और पूछताछ की। इसमें आरोपी ने बच्ची को गंगनहर में फेंकने की जानकारी दे दी। क्राइम सीन दोहराने के दौरान आरोपी ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दे दी। दो बेटियों पर बताया भूत-प्रेत का साया- दो बेटियों इलमा और अलीना की संदिग्ध मौत के मामले में आरोपी पर शक होने पर पुलिस ने गहनता से पूछताछ की। तब आरोपी ने बताया कि इलमा और अलीना पर भूत-प्रेत का साया था। जिसकी वजह से वह बीमार रहती थीं। आरोपी ने इलाज के बाद भी दोनों बेटियों की तबीयत ठीक नहीं हुई और बीमारी के कारण ही मौत की जानकारी दी। आरोपी ने अंधविश्वास में तो बेटियों की जान नहीं ली। परिवार के लोग क्यों चुप रहे आदि कई सवालों के जवाब अभी भी बाकी हैं। बच्ची का नहीं गम, बोला बेटे को पढ़ाना है पुलिस का कहना है कि मासूम बच्ची के गंगनहर में फेंकने का आरोपी को मलाल नहीं है। आरोपी बार-बार कह रहा था कि वह उसके बेटे को परेशान करती थी। आरोपी यह भी कह रहा था कि वह अपने बेटे को पढ़ाएगा। बच्ची को गंगनहर में फेंकने के मामले में आरोपी पत्नी आदि ने भी कोई आरोप नहीं लगाए। लेकिन पुलिस का कहना है कि आरोपी बेटियों के प्रति हीनभावना रखता था। इसके चलते पूर्व में जान गंवाने वाली दो बेटियों की मौत की भी जांच की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने शुरूआत में पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया। जबकि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में वह बेटी को ले जाते हुए दिखाई दिया है। पूछताछ में बच्ची को गंगनहर में फेंकने की बात सामने आई है। बच्ची को गंगनहर में तलाश किया जा रहा है। घटना की गहनता से जांच की जा रही है।-रोहित सिंह सजवाण, एसएसपी

पिता पुत्र ने दुकानदार व उसकी बहनों के साथ की मारपीट, व्यापारियों ने कोतवाली में किया हंगामा

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली।कोतवाली थाना क्षेत्र के नेहरू मार्केट स्थित एक व्यापारी के खोके को उसके पड़ोसी ने तोड़ दिया,विरोध करने पर उक्त पड़ोसी ने व्यापारी व उसकी दो बहनों को मारपीट कर पूरी तरह से घायल कर दिया। इस घटना को ले कर व्यापारियों ने कोतवाली में हंगामा खड़ा कर दिया। सदर कोतवाली क्षेत्र के माजरा रोड निवासी अनुज कुमार संगल रोज की भांति प्रातः 7~30 बजे नेहरू मार्केट स्थित अपनी दुकान पर पहुंचा। वहां दुकान के आगे उसका खोका अक्षत-विक्षित स्थिति में सड़क पर पड़ा हुआ मिला। आरोप है कि उसके दुकान के पडोसी अकील अहमद व उसके पुत्र नफीसुर रहमान ने उक्त खोका तोड़ डाला। विरोध करने पर अनुज के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। इसी बीच किसी दूसरे पड़ोसी ने अनुज के घर पर फोन कर दिया। जहां पर उसकी दोनों बहाने रूपाली एवं

शेफाली मौके पर पहुंची। आरोप है कि दोनों पिता पुत्र ने इन्हें भी भद्दी गालियां देकर मारना पीटना शुरू कर दिया। तीनों को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। जहां अनुज व शेफाली को हायर सेंटर मेरठ के लिए चिकित्सकों ने रेफर कर दिया है। वही इस मामले में कोतवाली प्रभारी समय सिंह अत्री का कहना है कि इस मामले में दो महिला सहित तीन लोगों को चोट आई है। जिनका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है पीड़ितों की तहरीर मिल गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

माँ शाकम्भरी देवी सेवादल शामली के तत्वावधान में एक बस माँ शाकम्भरी देवी दर्शन हेतू रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली। आज गंगा दशहरे पर माँ शाकम्भरी देवी सेवादल शामली के तत्वावधान में एक डीलक्स बस माँ शाकम्भरी देवी दर्शन हेतू सुभाष चौक शामली से माँ के भक्तो को लेकर प्रात 5 बजे दर्शन के लिए समिति के अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकारियों की मौजूदगी में रवाना हुई। समिति ने शाकम्भरी देवी पहुँच कर मीठा शर्बत,

जलजीरा वितरण कर माँ शाकम्भरी देवी की सेवा की। समिति के सभी पदाधिकारियों तथा उपस्थित माँ के प्यारों ने ह्रदय से सेवा कर माँ के दरबार में उपस्थित माँ के भक्तो को शर्बत तथा जलजीरा वितरित कर गर्मी से राहत दिलाने का सौभाग्य प्राप्त किया। सभी ने सेवा कर धर्म लाभ प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर समिति के पदाधिकारियों में संथापक अजय तायल, संरक्षक राजेन्द्र गर्ग, विनोद वर्मा, अविनाश संगल, रजत गोयल, समिति अध्यक्ष राहुल कुच्छल, महामंत्री अजय गोयल, कोषाध्यक्ष नवीन बंसल व कार्यकारिणी सदस्य मनोज सैनी, सुभाष सैनी, आलोक सैनी, सचिन गर्ग, संजीव सिंघल, नरेश नामदेव, शिनखिल संगल, विशाल ऐरन, शुभम संगल आदि उपस्थित रहें।

गंगा दशहरे पर ममेरी बहनों की यमुना नदी में डूबने से हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली। गंगा दशहरे पर पूर्वी यमुना नदी में अपने परिजनों के साथ स्नान करने आई हरियाणा निवासी दो ममेरी बहनों की डूबने से मौत हो गई है। जबकि गोताखोरों ने एक युवक को डूबने से बचाया। घटना से मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मृतक दोनों

लड़कियां रिश्ते में मामा-बुआ की थी। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों लड़कियों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आई। जहां पर डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक वैधानिक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को पूर्वी यमुना नदी में दशहरे के पावन पर यूपी-हरियाणा के सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए आए हुए थे। इसी दौरान दोपहर करीब डेढ़ बजे हरियाणा राज्य के जनपद पानीपत थाना मतलौडा निवासी एक परिवार यमुना नदी में स्नान के लिए आया था। यमुना नदी में स्नान के दौरान एक परिवार की ही दो ममेरी बहन आशु पुत्री मुल्तान सिंह निवासी कुराना 19 वर्षीय व स्नेह पुत्री सुरेश निवासी उटला की यमुना नदी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उनके एक भाई को गोताखोरों ने बचा लिया। परिजनों ने यमुना नदी में दोनों को डूबते देख शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर मौके पर पुलिसकर्मियों ने पहुँचकर गोताखोरों को बुलाया और दोनों को बचाना का प्रयास किया।बाद में पुलिस दोनों युवतियों को लेकर कैराना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँची। जहाँ पर डॉक्टर ने दोनों को मृतक घोषित कर दिया। बाद में पुलिस दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आवश्यक वैधानिक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। वही परिजनों ने पुलिस प्रशासन के द्वारा यमुना नदी पर की गई व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। परिजनों का आरोप है कि यमुना नदी पर बेरिगेटिंग नहीं है,ना एंबुलेंस की सुविधा है,नहीं ऑक्सीजन सिलेंडर है और गोताखोर भी समय पर उपलब्ध नहीं हो पाए अगर समय पर एंबुलेंस मिल जाती तो शायद दोनों बच्चों की जान बच सकती थी।

बदमाशों ने हीरा व्यापारी की कार से उड़ाए एक करोड़ के हीरे, वारदात सीसीटीवी में कैद; देखकर उड़ गए होश

उत्तर प्रदेश के आगरा में हीरा व्यापारी की कार में पीछे सीट पर रखा हीरा, सोने आभूषण, नकदी से भरा बैग बदमाशों ने खिड़की से उड़ा लिया। बैग में एक करोड़ रुपये से अधिक के हीरे के आभूषण थे। क्षेत्र में लूट की चर्चा से पुलिस में अफरातफरी मच गई। रात 1 बजे तक कई थानों का पुलिस फोर्स घटनास्थल पर छानबीन में जुटा रहा। बदमाशों ने हीरा व्यापारी की कार से एक करोड़ के हीरे उड़ा लिए। वारदात सीसीटीवी में कैद हो गए। देखकर लोगों के होश उड़ गए।वारदात शहर के पॉश इलाके मदिया कटरा चौराहे पर रात 8.30 बजे नीरज डेरी के सामने हुई। बाग फरजाना निवासी नितिन मेहरोत्रा संजय प्लेस में प्रकाश डायमंड कारपोरेशन के नाम से फार्म में पार्टनर हैं। फर्म से वह रोज शाम 6 बजे फिजियोथेरेपी सेंटर के लिए साकेत कॉलोनी जाते थे। शनिवार को वह फिजियोथेरेपी सेंटर से जयपुर हाउस चले गए। वहां उनकी ससुराल है। सफेद रंग की क्रेटा कार से वह चलते थे। उसमें एक बैग में हीरे, सोने के आभूषण थे। 90 हजार रुपए नकद थे। हीरों की कीमत एक करोड़ से अधिक थी। रात को करीब 8.30 बजे वह जयपुर हाउस से लोहामंडी होते हुए कार से देहली गेट बाग फरजाना की तरफ लौट रहे थे। रास्ते में मदिया कटरा चौराहे पर हनुमान मंदिर के सामने नीरज डेरी पर दो बदमाशों ने उन्हें झांसा देकर रोक लिया। उनकी कार का शीशा हल्का खुला था। पीछे से आए बदमाश ने कार से बैग निकाल लिया। बैग नहीं दिखाई देने पर उनके होश उड़ गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि तीन चार दिन का कलेक्शन बैग में रखा हुआ था। किसी को माल देने के लिए रखा था। पुलिस ने बताया कि व्यापारी फर्म से हीरे बैग में रखकर कार से रोज घर लाता था। जल्दी के कारण शनिवार को फिजियोथेरेपी के लिए आया तो बैग को घर रखना भूल गया। ससुराल जयपुर हाउस से जब निकला था तो कार में बैग रखा हुआ था। मदिया कटरा पर कार से रुका तो भी बैग रखा था, लेकिन दो बदमाश आए। बैग गायब हो चुका था। प्रभारी निरीक्षक लोहामंडी केपी सिंह ने बताया कि बैग में करीब एक करोड़ रुपए के हीरे, सोने के आभूषण और 90 हजार रुपए नकद बताएं हैं। बदमाशों की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। क्षेत्र में फैली लूट की सनसनी- वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लूट की चर्चाएं भी हो रही थीं। सूचना पर पुलिस ने पहुंच गई। पूरा बाजार बन्द हो गया। दुकानदार धड़ाधड़ शटर खींचकर वहां से निकलते बने। रात एक बजे तक पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी। बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका था।

ग्रामीण पत्रकार यूनियन की कोल तहसील इकाई की मासिक बैठक जंवा में हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़। ग्रामीण पत्रकार यूनियन की कोल तहसील की मासिक बैठक का आयोजन जंवा स्थित श्री बाल किशन शर्मा मेमोरियल लाइब्रेरी वरिष्ठ पत्रकार अरुण कुमार शर्मा उर्फ शिटू के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई। बैठक में उपस्थित ग्रामीण पत्रकार यूनियन जनपद अलीगढ़ के जिला अध्यक्ष सुखबीर शर्मा ने कहा कि संगठन पूरे जनपद में पत्रकारों के हितों के संबंध में कार्य कर रहा है। जनपद मे पत्रकार उत्पीड़न होने पर संगठन पत्रकारों के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने कहा कि संगठन धरातल पर कार्य कर रहा है। जनपद में किसी भी पत्रकार के साथ कहीं भी कोई उत्पीड़न की घटना होती है तो संगठन उसे घटना को बर्दाश्त नहीं करता। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले समय में सभी तहसीलों पर मासिक बैठक का आयोजन कराकर जल्द ही जिले पर जिला इकाई की बैठक का आयोजन करने की योजना है। वरिष्ठ पत्रकार अरुण कुमार शर्मा उर्फ शिटू के प्रतिष्ठान पर हुई बैठक में तहसील अध्यक्ष कोल जितेंद्र शर्मा ने कहा कि हम सबको एकजुट रहकर कार्य करना है। आखिर में हम सब एक पत्रकार हैं। उन्होंने एक जुटता पर विशेष फोकस दिया। वहीं मासिक बैठक में पहुंचे जिला अध्यक्ष सहित तहसील अध्यक्ष व समस्त पत्रकार साथियों का अरुण शर्मा उर्फ शिटू ने सभी पत्रकारों का फूल माला पहनकर स्वागत किया। बैठक में मुख्य अथिति गोरी शंकर शर्मा ने यूनियन को और गतिशील करने सभी पत्रकार साथियों से अपेक्षा की, मीटिंग में मौजूद संतोष शर्मा व उपस्थिति पत्रकारों ने संगठन को और गतिशील करने पर अपने-अपने विचार व्यक्त किये। बैठक में तहसील अध्यक्ष कोल जितेंद्र शर्मा के द्वारा कोल तहसील के समस्त सदस्यों को संगठन के आई कार्ड वितरण किए गए। बैठक का सफल संचालन संगठन के जिला महासचिव अमित शर्मा के द्वारा किया गया।इस दौरान जिला महासचिव अमित शर्मा, डा राम कुमार शर्मा,जितेंद्र शर्मा, संतोष शर्मा, अनार सिंह, अनूप यादव, सुधाकर , लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, प्रमोद दरगढ़, आकाश शर्मा, सत्यम शर्मा, ममता शर्मा, सुशील उपाध्याय आदि पत्रकार साथी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

गंगा दशहरा पर श्याम लाडले समिति बनत द्वारा एक विशाल प्याऊ का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। गंगा दशहरा के अवसर पर श्याम लाडले समिति बनत की तरफ से एक विशाल प्याऊ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7 बजे माता रानी को भोग लगा कर रघुराज द्वारा शुरू किया गया। जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने मीठा शरबत ग्रहण किया भीषण गर्मी में राहत ली तथा इस कार्यक्रम का अनेक लोगो ने मीठा शरबत ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में सभी कस्बावासी तथा श्याम लाडले सेवा समिति से मुख्य रूप से रघुराज संगल, संजय संगल, अजय संगल, महेंद्र वकील जी सुखपाल, रजत सैनी पारस, सागर, सपन ठाकुर, प्रेमपाल, आदि मौजूद रहे। समिति की जानकारी के अनुसार आने वाली 18 जून को निर्जला एकादशी के उपलक्ष में बाबा का कीर्तन हनुमान मंदिर श्याम लाडले समिति मेन बाजार बनत मैं होगा। इस कार्यक्रम पर सभी भक्तो को आमंत्रण है धर्म लाभ उठाए

उत्सव के साथ मनाया गया पशुपतिनाथ मंदिर जेठ माह का दशहरा

क्यूँ न लिखूँ सच-हारून बख्श

फर्रुखाबाद बड़े उत्सव के साथ मनाया गया दशहरा तिकोना सब्जी मंडी में पशुपतिनाथ मंदिर जेठ माह का दशहरा पर भगवान पशुपतिनाथ का भोग लगाकर हनुमान जी शिव परिवार सहित भगवान का प्रसाद भोलेनाथ की तरफ से कचौड़ी सब्जी जल की व्यवस्था लोगों को प्रसाद वितरित किया गया दोपहर 2~00 बजे से शाम के 7~00 तक प्रसाद वितरित होता रहा लोगों की काफी भीड़ नहीं मुझे खुशी होती है भंडारा हुआ भोले बाबा का प्रसाद सबको मिले भोलेनाथ के सहयोगी करता रमाशंकर गुप्ता उमा शंकर गुप्ता सोनू त्रिवेदी राहुल गुप्ता भोला गुप्ता कृष्ण गुप्ता सत्यम मनोज आदि लोग भगवान के प्रसाद में सम्मिलित रहे तिकोना सब्जी मंडी में भोलेनाथ सच्चा दरबार सबको प्रसाद बुलाकर वितरण किया गया भोलेनाथ करने वाले भोलेनाथ करने वाले भोले की ही कृपा से हम लोग तो बाबा के सहयोगी हैं

ट्रैकिंग के लिए उत्तराखंड गईं थीं नोएडा की छह युवतियां, चार की गई जान; एक का पता नहीं

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9277776991

उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग में टेंपो ट्रैवेलर के अलकनंदा नदी में गिरने से नोएडा निवासी पांच युवतियों की भी मौत हो गई है। जबकि एक अन्य युवती अंजलि के बारे में अभी पता नहीं चला है। सभी युवतियां नोएडा के सेक्टर-51 में किराये पर रहती थीं। सभी एक ग्रुप के साथ उत्तराखंड ट्रैकिंग करने गईं थीं। हालांकि इस घटना की आधिकारिक जानकारी नोएडा पुलिस को देर शाम तक नहीं मिली है। इस हादसे की सूचना के बाद सेक्टर-51 के मकान में सन्नाटा पसरा है।सेक्टर-51 के ए-50 में एक किराये के मकान में रहने वाली वंदना शर्मा, कुमारी शुभम, निकिता, स्मृति और मोहिनी अलग अलग निजी कंपनियों में काम करती थीं। पांचों डाटा एनालिसिस से जुड़ा काम करती थी। मकान के केयर टेकर ने बताया कि युवतियां शुक्रवार रात आठ बजे बिल्डिंग से निकली थी। इनके साथ अंजलि नामक युवती भी कैब से निकली थी। यहां से किसी दूसरी जगह साथ उत्तराखंड के लिए निकली थी। हालांकि इनमें को कोई जानकारी नहीं दी थीशनिवार दोपहर बाद रहने वाली अन्य लड़कियों को मिली। जिसके बाद केयर टेकर की तरफ से बताया गया कि सभी छह रहती थीं। बिल्डिंग में रहने वाली अन्य लड़कियों के के बाद से बिल्डिंग में सन्नाटा पसरा है। सभी लोग में लगे रहे। हादसे में अंजलि को छोड़कर सभी पांच स्थानीय पुलिस अनभिज्ञ है। कोतवाली सेक्टर-49 मामले में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इस तरह की से नहीं मिली है।नदी में गिरा टैंपो ट्रैवलर, 14 की बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के पास एक टेंपो ट्रैवलर बेकाबू होकर सड़क किनारे बने अलकनंदा नदी के किनारे जा गिरा। इस हादसे में 10 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। दो की की मौत एम्स ऋषिकेश में हुई है।हादसे में 12 लोग चिकित्सालय में इलाज चल रहा है, जबकि पांच वाहन चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात निवासी कुल

पर जाकर वहां से टेंपो ट्रैवेलर से एक से किसी ने भी बिल्डिंग के केयरटेकर जब इस घटना की सूचना बिल्डिंग में केयर टेकर को इसकी सूचना दी। युवतियां तीन माह से अधिक समय से साथ इनके अच्छे संबंध थे। इस घटना इस घटना से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने की मौत हो गई। वहीं इस घटना से के प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक इस कोई सूचना किसी एजेंसी या पुलिस मौत, 12 घायल- ऋषिकेश- रैंतोली में दर्दनाक हादसा हुआ। यहां पैराफिट को तोड़ते हुए 250 मीटर नीचे 14 लोगों की मौत हो गई, इसमें से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग और दो घायल हैं, इनमें सात का जिला एम्स में भर्ती हैं। हादसे का कारण वाहन में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, 23 यात्री और दो ड्राइवर और एक हेल्पर था, इनमें से अधिकांश नींद में थे।जानकारी के मुताबिक शुक्रवार देर रात को नई दिल्ली से अलग-अलग जगह के 23 युवाओं का दल चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रैकिंग के लिए रवाना हुआ था। शनिवार सुबह लगभग 11.30 बजे ऋषकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने आरसी पैराफिट को तोड़कर अलकनंदा नदी के किनारे जा गिरा। हादसे की सूचना पर प्रशासन, पुलिस, जिला आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू में जुट गईं। मौके से दस लोगों के शव बरामद हुए, जबकि अन्य 16 घायलों को लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर गहरी खाई से निकालकर सड़क तक लाया गया। इसके बाद सभी को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। इनमें से सात को गंभीर हालत के चलते केदारनाथ यात्रा में संचालित हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया।जहां, दो की मौत हो गई। इधर, जिला चिकित्सालय में भर्ती घायलों में से दो ने दम तोड़ दिया। डीएम डॉ.सौरभ गहरवार, एसपी डॉ. विशाखा अशोक भदाणे के नेतृत्व में घायलों का यथाशीघ्र उपचार दिलाया गया और कम से कम समय में गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया।इनकी हुई मौत स्मृति शर्मा (28) सोनभद्र यूपी, मोहनी पांडे (27) प्रतापगढ़ यूपी, करन सिंह (वाहन चालक) अलीगढ़, हाल गुड़गांव। निकिता भट्ट, खटीमा उत्तराखंड, गुरुकीरत सिंह, आकांक्षा, झांसी यूपी, स्मृति त्रिपाठी, अंजलि श्रीवास्तव, निकेत सुनील शर्मा, गुजरात, बृजेश बिष्ट उत्तराखंड, देव दिल्ली। जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग में इलाज के दौरान दम तोड़ने वाले दो और ऋषिकेश एम्स में दम तोड़ने वाले एक युवा की पहचान नहीं हो पाई।ये हुए घायल वंदना शर्मा (30) नोएडा, यूपी, महिमा त्रिपाठी (23) यूपी, कुमारी शुभम सिंह (27) नोएडा, यूपी, नमिता शर्मा (30) यूपी, लक्ष्य अग्रवाल (22) मथुरा, यूपी, अमित (27) एमपी, शशांक हल्द्वानी, उत्तराखंड जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में भर्ती हैं। वहीं, धर्मेन्द्र कुमार (23) दिल्ली, सौनिक (24) सोनीपत, हरियाणा, आदित्य (25) मथुरा, यूपी, छवि, झांसी यूपी, अभिषेक ऋषिकेश एम्स में भर्ती हैं।

तानों से तनाव में पनपी रंजिश: विधवा भाभी से शादी करने पर छोटे भाई का कत्ल, एक ने पकड़ा हाथ; दूसरे ने मारी गोली

बागपत के बड़ौत के गुराना गांव में दो बड़े भाइयों ने छोटे भाई की बेहरमी से हत्या कर दी। दोनों आरोपी विधवा भाभी से शादी करने से नाराज थे। दो महीने पहले हुए झगड़े में पुलिस के सामने आरोपियों ने छोटे भाई को मारने की धमकी दी थी। बागपत जिले के बड़ौत के गुराना गांव में शुक्रवार देर रात डीटीसी बस चालक यशवीर (32) की उसके दो भाइयों ओमवीर व उदयवीर ने गोली मारकर हत्या कर दी। बड़े भाई सुखबीर की मौत के बाद उसकी पत्नी रितु की शादी यशवीर के साथ करा दी गई थी। इसलिए ही उनके बीच कई बार झगड़ा भी हुआ और दोनों भाई रंजिश रखते थे।ग्रामीणों के अनुसार चारों भाइयों में सुखबीर सबसे बड़ा था, और यशवीर (32) था। सुखबीर की मौत सुखवीर के सबसे छोटे भाई यशवीर के साथ लगभग हर दिन लोग ओमवीर और उदयवीर इज्जत नहीं है। तुम दोनों के होते हुए भी छोटे रितु को सुखवीर से तीन और यशवीर से आए दिन की बात हो गई थी। कभी वे इसका भी दोनों के दिमाग में कुंठा और कलह बढ़ती रंजिश रखने लगे। बाद में जब-तब तनातनी ने मां संगीता और यशवीर से झगड़ा कर की मौजूदगी में यशवीर को दोनों भाइयों ने ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। एक भाई ने इस योजनाबद्ध हत्या में ओमवीर ने यशवीर ने यशवीर की छाती में गोली मार दी। गोली पर गिर गया। इसके बाद जब तक यशवीर उसे दबोचे रखा। इस दौरान यशवीर ने उनसे

जबकि ओमवीर (36), उदयवीर (35) के बाद पत्नी रितु के मायके वालों ने उसकी शादी करा दी थी। इसके बाद को ताने मारने लगे कि तुम दोनों की भाई यशवीर से उसकी शादी कर दी गई। एक बच्चा है। दोनों के लिए ताने सुनने जवाब देते तो कई बार चुप रह जाते। फिर जा रही थी। दोनों यशवीर से मन ही मन और झगड़े होने लगे। दो महीने पहले दोनों लिया था। बताया जाता है कि पुलिस जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस पकड़ा हाथ, दूसरे ने छाती में मारी गोली- का हाथ पकड़ा और दूसरे भाई उदयवीर लगने से यशवीर लहूलुहान होकर जमीन की मौत नहीं हुई तब तक आरोपियों ने बचने का भी प्रयास किया, छीनाझपटी में ओमवीर व उदयवीर को भी मामूली चोटें आई हैं। यहां रिश्तों का हो रहा कत्ल- यहां रिश्तों का खूब कत्ल हो रहा है और अपने ही अपनों की हत्या कर रहे हैं। पुलिस रिकार्ड के अनुसार यहां पिछले एक साल में हुई हत्याओं में 95 प्रतिशत घटनाओं में अपने ही शामिल रहे। मनोचिकित्सक इसका कारण स्वार्थ व तनाव को मार रहे हैं। इस तरह की घटनाएं रोकने के लिए लोगों को रिश्तों का महत्व समझाकर जागरुकता लानी होगी। केस नंबर एक- वर्ष 2023 में बिलौचपुरा गांव में छोटे भाई कासिफ ने अपने बड़े भाई नहीम की हथौड़े से वार करके हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया तो उसने कहासुनी होने पर गुस्से में आकर हत्या करने की बात कही। केस नंबर दो-वर्ष 2023 के नवंबर माह में जोनमाना गांव में अशोक का बड़े भाई रविन्द्र से जमीन को लेकर विवाद हो गया था। उस जमीनी विवाद में रविंद्र की हत्या कर दी गई थी। केस नंबर तीन- शबगा गांव में युवक ने अपनी बुआ, पिता व चाचा की एक साथ हत्या कर दी थी। हत्या की घटना को केवल इसलिए अंजाम दिया था कि उसे शराब पीने के लिए रुपये नहीं देते थे। केस नंबर चार- बागपत के मोहल्ला मुगलपुरा में इस साल ही भाई ने बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना को केवल इसलिए किया गया, क्योंकि उसकी बहन ससुराल नहीं जा रही थी। हत्या करके वह खुद थाने में पहुंच गया था। केस नंबर पांच-इस साल ही बागपत में छत्ते वाली मस्जिद के पास चाचा ने चाकू से गला रेतकर भतीजे की हत्या कर दी थी। इस हत्या को केवल तीन सौ रुपये नहीं देने के कारण किया गया था। एक-दूसरे से प्रेम खत्म हो रहा है और लोग स्वार्थी हो रहे हैं। वह निजी स्वार्थ में रिश्तों का खून कर रहे हैं। इसके अलावा तनाव में रहने के कारण चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है और लोग अपना गुस्सा कमजोर पर निकाल रहे हैं। इसके लिए लोगों की दिनचर्या में बदलाव लाना जरूरी है। साथ ही उनको समाज में रिश्तों की महत्ता बतानी होगी। इसके लिए जागरूकता जरूरी है, तभी ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।- डा. अजय कुमार, मानसिक रोग विशेषज्ञ- निजी स्वार्थ के चलते आज अपराध बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि यहां भाई ने दूसरे भाई या भाई ने अपनी बहन की हत्या की है। यह लोगों को समझना होगा कि जो जिंदगी भर मुसीबत के समय आपके साथ खड़ा रहता है। उसको नुकसान पहुंचता है तो उसका सीधा नुकसान उसे खुद को होगा। रिश्तों के कत्ल की ये वारदात रोकी जा सकती हैं।- डा. अंशु अग्रवाल मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष दिगंबर जैन डिग्री कॉलेज बड़ौत।

संक्षिप्त समाचार

ठा. बांके बिहारी के दर्शन को पहुंची श्रद्धालुओं की भीड़, भीषण गर्मी में खचाखच भरी रहीं गलियां

दशहरा पर ठा. बांके बिहारी के दर्शन को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंची। भीषण गर्मी में गलियां खचाखच भरी रहीं। तीर्थनगरी मथुरा में रविवार को गंगा दशहरा के अवसर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यमुना घाटों पर स्नान के उपरांत श्रद्धालु ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन को पहुंचे। मंदिर में

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भीषण गर्मी में गलियां श्रद्धालुओं से खचाखच भरी नजर आईं। भीड़ में फंसकर बच्चे और बुजुर्ग परेशान दिखे। स्नान के बाद दान-पुण्य कर्म करते हुए वृंदावन में भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। वहीं, मथुरा शहर में द्वारिकाधीश महाराज और श्रीकृष्ण जन्मभूमि में लोगों ने आराध्य के दर्शन किए। इधर, बरसाना में भी लाखों लोग राधा-रानी के दर्शन को पहुंचे। इधर, वृंदावन में यातायात प्रबंध न होने के चलते सुबह से ही सड़कों पर जाम लग गया। हजारों वाहन जाम में फंस गए। भीषण गर्मी में जाम में फंसने से लोग परेशान हो गए।

अनोखी शादी: ICU में बेटियों का निकाह पढ़वा पूरी की मरीज की ख्वाहिश, दूल्हे मुंबई से आए; डॉक्टर-नर्स बने बराती

लखनऊ में अनोखी शादी हुई। अस्पताल के आईसीयू में बेटियों का निकाह पढ़वाकर पूरी की मरीज की ख्वाहिश पूरी की गई। इस शादी में डॉक्टर और नर्स बराती बने। दूल्हे मुंबई से आए।पिता की ख्वाहिश अपने सामने बच्चों का घर बसने का सपना होता है। अस्पताल के आईसीयू में भर्ती ऐसे ही एक गंभीर मरीज की

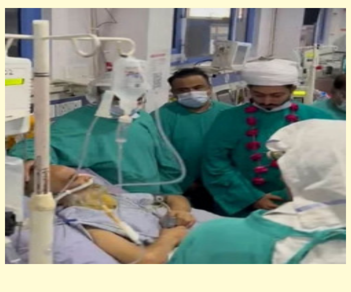

आरजू पूरी करने के लिए शनिवार को एरा मेडिकल कॉलेज में दो बहनों का एक साथ निकाह पढ़ाया गया।एरा विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में 51 वर्षीय सैयद जुनैद इकबाल 15 दिन से भर्ती हैं। फेफड़े में गंभीर संक्रमण की वजह से उनको अस्पताल से छुट्टी देना संभव नहीं है। इसी महीने दोनो बेटियों की शादी होनी थी और 22 को मुंबई में दोनो का रिसेप्शन होना था। ऐसे में जुनैद की इच्छा को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने आईसीयू के अंदर ही दूल्हे और मौलवी को बुलाकर पिता के सामने दोनो बेटियों का निकाह पढ़ाया। 15 दिन पहले हुए थे भर्ती- जुनैद के भाई डॉ तारिक साबरी ने बताया कि उन्नाव के मुसंडी शरीफ मजार के पास वे रहते हैं। दोनों बेटियों दरख्शां और तन्वीला की शादी पहले से तय थी। अप्रैल में भाई की तबीयत खराब होने पर 15 दिन पहले उनको भर्ती कराया गया। इंतजार के बावजूद हालत में सुधार नहीं होने पर उनके सामने बेटी की शादियां करवाने के लिए एरा विवि से गुजारिश की गई। अस्पताल प्रशासन ने हमारी बात मानी और 13 को तन्वीला और 14 जून को दरख्शां का निकाह पढ़ाया गया।

कढ़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।श्री पीसी आजाद इण्टर कालेज बिहार कलां में रविवार को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा स्ट्रेटिक मजिस्ट्रेट प्रमोद कुमार, केन्द्र व्यवस्थापक डॉक्टर राजेन्द्र कुमार गंगवार के नेतृत्व में कढ़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो पालियों में सम्पन्न हुई।कुल पंजीकृत चार सौ अस्सी बच्चों में प्रथम पाली में सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े ग्यारह बजे तक 251बच्चों ने तथा द्वितीय पाली में दोपहर ढाई बजे

से साढ़े चार बजे तक दो सौ बावन बच्चों ने परीक्षा दी। प्रथम पाली में राज्य प्रवेक्षक रणवीर प्रसाद तथा द्वितीय जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्र ने केंद्र का निरीक्षण किया।इस दौरान परीक्षा केन्द्र पर सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त मिलीं।इस दौरान डॉक्टर मेहरबान सिंह, जलज सक्सेना, प्रमोद स्वारूप, हेमपाल गंगवार, डॉक्टर राजेश पाल, जयवीर तोमर, सुरेन्द्र पाल शर्मा, प्रदीप कुमार गुप्ता, सुनील गंगवार, वरिष्ठ लिपिक चौधरी पंकज सिंह, पारस गंगवार, प्रफुल्ल गंगवार, मोर सिंह, सहित थानाध्यक्ष जयशंकर प्रसाद सहित भारी संख्या में पुलिस फ़ोर्स मौजूद रहा।

श्री राम लखन सेवा समिति और जय हनुमान सेवा मंडल शामली ने संयुक्त रूप से मीठे शरबत का वितरण किया

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली।- गंगा दशहरे के महा पर्व पर श्री जय हनुमान सेवा मंडल शामली ने अग्रसेन पार्क मिल रोड पर एक मीठे शरबत का वितरण किया

तथा राम लखन सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष श्री अवनीश संगल सोनू जी ने अपने निवास स्थान श्री हनुमान टिल्ला हनुमान धाम पर एक बंदी रायते

का वितरण किया। सेवा कर सभी ने सेवा का सौभाग्य प्राप्त किया।

इस सेवा में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष पवन गोयल योगेश तायल खुशीराम अरोरा सचिन मित्तल अनिल अग्रवाल विपिन निखिल गोयल चंचल अग्रवाल जी तथा प्रवीण मित्तल सचिन मित्तल निर्भय एडवोकेट सचिन मित्तल अग्रवाल समाज पूर्व अध्यक्ष कृष्ण संगल आदि उपस्थित रहे। सभी को सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने यमुना में लगाई आस्था की डुबकी, जमकर हुई पतंगबाजी; एक युवक डूबा

तीर्थनगरी मथुरा में दशहरा पर लाखों श्रद्धालुओं ने यमुना में आस्था की डुबकी लगाई। इस मौके पर जमकर पतंगबाजी हुई। नहाते समय एक युवक डूब गया। तीर्थनगरी मथुरा में दशहरा के पावन

पर्व पर रविवार को ब्रज में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लाखों लोगों ने यमुना में स्नान किया। इसके बाद बांके बिहारी मंदिर में आराध्य के दर्शन करें। पुलिस-प्रशासन के साथ ही मंदिर के निजी सुरक्षाकर्मी भीड़ प्रबंधन में जुटे रहे। इधर, यमुना में स्नान के दौरान गहरे पानी में उतरने से एक युवक डूब गया। उसकी तलाश जारी है।गंगा दशहरा के पावन पर्व पर सुबह से ही लाखों श्रद्धालु यमुना के घाटों पर स्नान को पहुंच गए। स्नान के बाद दान-पुण्य कर्म करते हुए वृंदावन में भक्तों ने बांके बिहारी के दर्शन किए। वहीं, मथुरा शहर में द्वारिकाधीश महाराज और श्रीकृष्ण जन्मभूमि में लोगों ने आराध्य के दर्शन किए। इधर, बरसाना में भी लाखों लोग राधा-रानी के दर्शन को पहुंचे। इधर, वृंदावन में यातायात प्रबंध न होने के चलते सुबह से ही सड़कों पर जाम लग गया। हजारों वाहन जाम में फंस गए। भीषण गर्मी में जाम में फंसने से लोग परेशान हो गए।एक युवक यमुना में डूबा- शहर के गोविंद नगर थाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा इलाके में यमुना घाट पर स्नान को पहुंचा एक युवक गहरे पानी के में जाने के कारण डूब गया। 21 वर्षीय सलमान पुत्र कय्यूम निवासी जयसिंहपुरा खादर, गणेश टीला डूब गया। पुलिस, गोताखोर उसकी तलाश में जुटे हैं। जमकर हुई पतंगबाजी- दशहरा पर पतंगबाजी भी पूरे शहर में जमकर हुई। जवाहर पार्क में सुबह छह बजे लोग टहलने को पहुंचे। इसके बाद योगाभ्यास किया। फिर त्योहार के उल्लास में जमकर पतंगबाजी की। यहां खान-पान का इंतजाम भी किया गया। महिलाओं ने गीत गाए। दोपहर 12 बजे तक यह उल्लास यूं ही चलता रहा।

एलन मस्क की इस सलाह पर बिफरे पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर, कहा- भारत पर लागू नहीं होती उनकी राय

एक्स के सीईओ एलन मस्क के ईवीएम हटाने की वकालत पर पूर्व केंद्रीय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि उनकी राय उन देशों के लिए है, जहां वोटिंग मशीन इंटरनेट कनेक्टिविटी के जरिए बनाई जाती है। उनकी ये राय भारत में लागू नहीं होती है।इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर भारत में पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोपों की कहानी पुरानी है। हालांकि, अब एलन मस्क के एक बयान ने नए विवाद को जन्म दे दिया है। दिग्गज कंपनी टेस्ला और सोशल मीडिया साइट ङ्ग (पहले ट्विटर) के सीईओ एलन मस्क ने X पर एक पोस्ट में लिखा कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को चुनावी प्रक्रिया से हटा देना चाहिए। क्योंकि इसे इंसानों और एआई के जरिए हैक किए जाने संभावना कम होने के बावजूद कुछ हद तक है।भारत के ईवीएम पूरी तरह सुरक्षित दरअसल, एलन मस्क

ने प्यूअर्टो रिको में हाल ही में हुए चुनावों में ईवीएम के इस्तेमाल पर अमेरिकी नेता रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर कि चिंता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ये नया बखेड़ा खड़ा किया। वहीं एलन मस्क के दावे पर भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में बनाए जाने वाले ईवीएम खास पद्धति से डिजाइन किए गए हैं। जिसे किसी भी तरीके से कनेक्ट नहीं किया जा सकता है, न ही ब्लूटूथ, वाईफ़ाई, और ना ही इंटरनेट सेपूर्व केंद्रीय मंत्री ने ट्यूटोरियल देने की पेशकश की- इसके साथ ही राजीव चंद्रशेखर ने सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक से डिजाइन करने और बनाने के तरीके पर एक ट्यूटोरियल देने की भी पेशकश की है। इस बहस में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एलन मस्क को जवाब देते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक से डिजाइन और बनाया जा सकता है जैसा कि भारत ने किया है। हमें इस पर एक ट्यूटोरियल देने में काफी खुशी होगी। ऐसे हुआ पूरे विवाद का जन्म- अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने सैकड़ों मतदान प्रक्रिया में धांधली पर एक एसोसिएटेड प्रेस का हवाला दिया और ऐसे मामलों की पहचान और उनको ठीक करने के लिए पेपर बैलेट के महत्व पर जोर दिया। रॉबर्ट कैनेडी ने कहा कि किस्मत से ये एक पेपर बैलेट था, इसलिए इसकी पहचान कर ली गई और वोटों की गिनती को ठीक कर लिया गया। उन्होंने आगे चिंता जताई कि उन क्षेत्रों और इलाकों में क्या होता होगा, जहां पर पेपर बैलेट नहीं है? अमेरिका के लोगों को ये जानने की जरूरत है कि उनके हर एक वोट की गिनती की गई है और चुनावी प्रक्रिया हैक नहीं की जा सकती है। हमें इसे खत्म करने के लिए और इलेक्ट्रॉनिक खामियों को दूर करने के लिए पेपर बैलेट को वापस लाने की जरूरत हैं। मेरे प्रशासन को पेपर बैलेट की जरूरत होगी और हम ईमानदार और निष्पक्ष चुनाव की गांरटी देंगे।

रैंप तोड़ने पर हंगामा: बुलडोजर के आगे खड़े हो गए लोग; बोले-पहले सांसदों, विधायकों और मेयर के यहां तोड़ो

नगर निगम की टीम द्वारा रैंप तोड़ने पर लोगों ने हंगामा किया। बुलडोजर के आगे खड़े हो गए। बोले-पहले सांसदों, विधायकों और मेयर के यहां तोड़ो। उत्तर प्रदेश के आगरा में नगर निगम का बुलडोजर शनिवार दोपहर खेरिया मोड़ और अर्जुन नगर पास सोना नगर में नालियों पर बनाए गए रैंप तोड़ने के लिए पहुंचा। बुलडोजर ने जैसे ही रैंप तोड़ने शुरू किए, लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। हंगामा और धक्कामुक्की हुई। लोगों ने कहा कि पहले सांसदों, विधायकों और मेयर के घर के रैंप तोड़कर दिखाएं। भारी विरोध के बीच बुलडोजर ने 52 रैंप तोड़े और जुर्माना भी वसूला। रैंप तोड़ रहे बुलडोजर के सामने महिलाएं और बच्चे खड़े हो गए। इस पर बुलडोजर को रोक देना पड़ा। अर्जुन नगर के लोगों ने कहा कि सांसदों, विधायकों और मेयर की कोठी के आगे बड़े बड़े रैंप बने हैं, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती। विनोद कुशवाह, रामनाथ सिंह और अमर सिंह ने कहा कि पहले जनप्रतिनिधियों के रैंप

तोड़कर नजीर पेश करें।लोगों ने नगर निगम और मेयर के खिलाफ नारेबाजी की। वहीं, लोग इस बात पर आक्रोशित थे कि नालियों पर घर से निकलने के लिए रैंप तोड़ दिए गए। घर से बाहन निकलना भी इससे मुश्किल हो गया। नगर निगम के अधिकारियों का तर्क था कि पक्के आरसीसी रैंप की जगह लोहे से बने ढक्कन लगवाएं ताकि नालियों की सफाई हो सके। 31,500 का जुर्माना वसूला- नगर निगम के प्रवर्तन प्रभारी ने खेरिया मोड़ पर सड़क पर खड़े 25 ठेल हटवाए। दुकानों से 500 ग्राम प्लास्टिक गिलास जब्त किए। प्लास्टिक रखने पर दुकानदारों पर 5 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। अतिक्रमण करने पर 26,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कुल 31,500 रुपये का जुर्माना वसूला। प्रवर्तन दल ने रात में फुटपाथ पर सोने वाले 20 लोगों को लोहामंडी शेल्टर होम पर पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

कुवैत अग्निकांड: पिता को खोने वाली नौ साल की बेटी पूछती है- मम्मी, दादी-बुआ रो क्यों रही हैं

कुवैत में भविष्य संवारने का सपना लेकर गए वाराणसी के प्रवीण का शव जब घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। कुवैत में आग लगने की घटना में जान गंवाने वाले प्रवीण की दो बेटियां हैं। एक नौ साल तो

दूसरी 10 माह की है। बड़ी बेटी पिता की मौत से अंजान है। ऐसे में घर आने वाले हर किसी से पूछती कि मां और दादी क्यों रो रहे हैं। कुवैत अग्निकांड में जान गंवाने वाले प्रवीण का अंतिम संस्कार होने के बाद परिवार व आसपास के लोगों में मातम पसरा है। हर किसी की जुबान पर सिर्फ एक ही बात है कि भगवान ऐसे किसी के साथ न करे। घर में प्रवीण की पत्नी और उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं रिश्तेदार व पड़ोसी ढ़ांढ़स बंधा रहे हैं। उन्हें सांत्वना देने के लिए किसी के पास कोई शब्द नहीं है। प्रवीण की मौत की सूचना मिलने के बाद से ही उनकी पत्नी रूपा और मां मंजू सिंह की हालत बेसुधों जैसी है। प्रवीण की नौ वर्ष की बड़ी बेटी मनीषा और 10 माह की छोटी बेटी जान्हवी है। मनीषा को उसके पिता की मौत के बारे में पता नहीं है। वह घर आने-जाने वाले लोगों से यही पूछते दिखी कि मम्मी, दादी और बुआ रो क्यों रही हैं।उधर, प्रवीण के पिता जय प्रकाश सिंह ने कहा कि बुढ़ापे में अब यही देखना बाकी रख गया था। फिर, उन्होंने खुद को संभालते हुए कहा कि अब प्रवीण की बच्चियां और बहू मेरी जिम्मेदारी हैं। पूरे परिवार को साथ लेकर आगे बढ़ना है। 10 साल से कुवैत में काम कर रहे थे प्रवीण- प्रवीण को उनके बड़े पिता कुवैत तकरीबन 10 वर्ष पहले कुवैत लेकर गए थे। प्रवीण दो माह पहले अपने बड़े पिता के साथ वाराणसी आए थे और अपने पैतृक गांव भी गए थे। मंगलवार की रात प्रवीण ने आखिरी बार पत्नी रूपा और बड़ी बेटी मनीषा से बात की थी। गत बुधवार की दोपहर प्रवीण के परिजनों को कुवैत में बिल्डिंग में आग लगने की जानकारी हुई थी। रात में पुष्टि हुई कि बिल्डिंग में लगी आग की जद में आने से प्रवीण की मौत हो गई है।

जमीन के विवाद में दो पक्षों के बीच फायरिंग, महिला की मौत, मौके पर मची भगदड़...पहुंची पुलिस

संभल में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। इस बीच चली गोली में एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले लिया। गुन्नौर थाना क्षेत्र के गांव भोजराजपुर में जमीन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। इस बीच गोली लगने से माया (22) की मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। वहीं आरोपी पक्ष मौके से

फरार है।गुन्नौर थाना क्षेत्र के भोजराजपुर गांव में सत्यभान और परमेश्वर के बीच कभी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। इसको लेकर दोनों पक्ष 15 दिन पहले आमने-सामने आ चुके थे। रविवार सुबह साढ़े 11 बजे फिर से दोनों पक्षों में विवाद हो गया। फायरिंग के दौरान सत्यभान पक्ष से माया देवी के सीने में गोली लग गई। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस से शव को कब्जे में कानूनी प्रकिया शुरू कर दी है। गांव में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात किया गया है।

समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी 18 जून से करेंगे आंदोलन

क्यूँ न लिखूँ सच

भटगांव/सूरजपुर- छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ कर्मचारी संघ द्वारा अपने विभिन्न मांगों के समर्थन में आगामी 18 जून से चरणबद्ध आंदोलन किये जाने का निर्णय लिया गया है । विभागीय कर्मचारियों को उन्हें उनका भुगतान विभाग द्वारा नहीं किया गया है जिसके संबंध में संघ द्वारा समय-समय पर अपर मुख्य सचिव, लोक स्वा. एवं परिवार कल्याण विभाग, मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं आयुक्त स्वास्थ्य सेवायें को पत्रो के माध्यम से अवगत कराया गया है, एवं इस दौरान संघ के प्रतिनिधी मंडल द्वारा मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छ.ग. से मिलने का अथक प्रयास किया गया परन्तु संघ के प्रतिनिधि मंडल के सदस्यो के द्वारा घंटो इंतजार करने के बावजूद चर्चा के लिए समय प्रदान नहीं किया गया न ही किसी भी प्रकार से लिखित जानकारी प्रदाय किया गया ।सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रदाय किये जाने वाली कार्य अधारित वेतन (क्क्क) उनके मूल वेतन का ही अभिन्न अंग है जिसको प्रत्येक माह के 15 तारीख के भीतर भुगतान करने का शासन द्वारा आदेशित है, जिसको उनके द्वारा 20 बिंदु के कार्यो के अधार पर भुगतान किया जाना निर्धारित है इस कार्य के लिए मिशन संचालक कार्यालय द्वारा आनलाईन क्क्क पोर्टल का निर्माण भी किया गया है। परन्तु अत्यंत ही खेद का विषय है कि शासन के आदेश/निर्देश होने के बावजूद भी आज दिनांक तक

कई महीनो के क्क्क भुगतान से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को वंचित रखा गया है जिससे उनको मानसिक एवं आर्थिक प्रताडनाओं से गुजरना पड रहा है। इसके साथ-साथ संघ द्वारा महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ हो रहे अमानवीय घटनाओं का जिक करते हुए उनको उनके मूल निवास जिले में स्थानान्तरण व आपसी सहमति से स्थानान्तरण करने हेतु निवेदन किया गया था परन्तु आज तक इस मांग पर भी संज्ञान में नहीं लिया गया है। संघ के एक पदाधिकारी पवन कुमार वर्मा जिला संयोजक सी.एच.ओ. प्रकोष्ठ, जिला कांकेर का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कांकेर के द्वारा जिला कलेक्टर को भ्रामक जानकारी देकर सेवा समाप्ति हेतु अनुमोदन कराये जाने के कारण मिशन संचालक द्वारा बिना किसी जांच पड़ताल के मानव संसाधन निति 2018 का पालन किये बगैर सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया गया है, इसके संबंध में भी संघटन द्वारा पवन वर्मा की बहाली हेतु बार-बार पत्राचार करने के बावजूद भी बहाल नहीं किया जाना अधिकारियों की हठधर्मिता को प्रदर्शित करता है। ज्ञापन में कहा गया है कि उपरोक्त कारणो से क्षुब्ध होकर चरणबद्ध आदोलन हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को बाध्य होना पड़ रहा है।

इसके लिए प्रदेश के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारीयों के द्वारा आगामी 18 जून मंगलवार से चरणबद्ध आदोलन किया जायेगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ के प्रदेश महामंत्री डॉ आशीष नंद ने जानकारी देते हुवे बताया कि संघ द्वारा विभिन्न मांगों के समर्थन में विभागीय उच्चाधिकारियों को निम्न लिखित मांगो के समर्थन में ज्ञापन सौंपा गया है

कलेक्टर ने ली नगरीय निकाय की मासिक समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने आज नगरीय निकाय की मासिक समीक्षा बैठक रखी थी। जिसमें नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के सीएमओ, अभियंता और अकाउंटेंट उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में राजस्व वसूली को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें संपत्ति कर और समेकित कर शामिल थे। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली प्रशासन और नगरीय निकाय का प्राथमिकता वाला कार्य है, जो कि जिले के समावेशी विकास के लिए अति आवश्यक है। जिले का सतत विकास हो इसके लिए उन्होंने संपत्ति व समेकित कर के साथ-साथ जल कर, दुकानों

का किराया, यूजर चार्ज इत्यादि की वसूली सख्ती से करने की बात कही, यदि इससे सकारात्मक न मिले तो कलेक्टर ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर ने बरसात के दिनों में जल भराव के स्थिति से बचने के लिए पहले से ही प्रबंधन करने के निर्देश उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिये। जिसके अंतर्गत उन्होने सभी नालियों के सफाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देषित किया।

बरसात के दिनों में मच्छर इत्यादि कीट पंतगों के चलते वेक्टर जनित रोग फैलने की संभावना रहती है। जिसके लिए उन्होने टेमीफोस का छिड़काव तथा फॉगिंग मशीन का इस्तमाल करने की बात कही। इसके साथ ही बरसात के मौसम में जिले के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मिल सके, इसके लिए उन्होंने जल क्लोरीनीकरण व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिये। बैठक में नगर पालिका परिषद की सीएमओ श्रीमती मुक्ता सिंह चौहान, श्री प्रवीण घोष व अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर सिकल सेल स्क्रीनिंग व जागरूकता शिविरों का होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- भारत सरकार के निर्देश के अनुपालन में 19 जून 2024 को ''विश्व सिकल सेल दिवस'' पर सूरजपुर जिले के सभी विकास खंडों में सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविर के आयोजन हेतु तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी श्री आर.एस. सिंह व आदिवासी विकास सहायक आयुक्त श्री विश्वनाथ रेड्डी द्वारा सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, ग्राम पंचायत, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, विभागीय छात्रावास आश्रम व आवासीय विद्यालयों में सिकल सेल स्क्रीनिंग व जागरूकता शिविर आयोजन सुनिश्चित किया गया है। जिला प्रशासन की अपील है कि इन चिन्हित स्थानों पर पहुंचकर क्षेत्रवासी अपनी जांच अवश्य करवाये। इसके साथ ही विश्व सिकल सेल दिवस पर चलाया जा रहे इस कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक लोगो को मिले इसके लिए इसे अन्य लोगों के साथ साझा भी करें।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

From better digestion to making the heart healthy, eating raw onion provides many health benefits

Onion is a popular vegetable used in Indian kitchens. Most people use it in vegetables or other dishes. Although many people avoid eating it raw due to its bad smell, raw onion provides many health benefits. It is also beneficial for diabetes patients. Know some benefits of Raw Onion. Onion is an important part of Indian food. However, due to its smell, people avoid eating it raw. Eating raw onion provides many health benefits.Onion is a vegetable that is used in almost every Indian kitchen. It is usually used for making vegetables or other dishes. Most people prefer to eat it cooked, because eating it raw often causes bad odor from the mouth. In such a situation, many people avoid eating it. Especially people avoid eating it raw, but do you know that raw onion is very beneficial for health. Including it in your diet helps you control blood sugar levels, which can be beneficial for people with diabetes or high risk of it. Let's know some benefits of eating raw onion- Protects from cancer - Some studies show that the compounds present in onions may have anti-cancer properties, due to which it proves helpful in preventing some types of cancer. Better digestion - Raw onions contain fiber, which aids digestion and promotes healthy gut. Strengthens immunity Raw onions contain a good amount of vitamin C, which can help strengthen the immune system, helping to protect the body from diseases. Provides relief from arthritis - If someone has arthritis, raw onion will prove to be very helpful in this. The compounds present in it may have anti-inflammatory properties, which can provide relief in conditions like arthritis. Improves heart health- Adding raw onion to the diet helps in controlling blood pressure and improving heart health by reducing cholesterol levels. Rich in nutrients- Raw onion is rich in many essential nutrients like vitamins C and B6, folate and potassium, which helps in improving your overall health.

The world's most expensive mushroom is found in the valleys of Kashmir, PM Modi is also crazy about it

Do you know that there are many rare varieties of mushrooms in the world? Today we will tell you about Guchhi Mushroom found in Kashmir, India, whose price ranges from 40 to 50 thousand rupees per kg. PM ??Narendra Modi also likes its vegetable very much. Let's know about this specialty of Kashmir. Guchhi, one of the most expensive mushrooms in the world, is found in Kashmir, India. Only Nawabs can use Guchhi mushroom in food. These mushrooms grow naturally on the hills only in the months of March and April. Guchhi Mushroom grown in Kashmir is one of the most expensive mushrooms in the world. Be it Chanterelles, European White Truffle or Yartsa Gunbu, these mushrooms are priced in thousands, but Gucchi, one of the five most expensive mushrooms in the world, is found only in South and North Kashmir of India. The special thing is that they are not grown, rather they grow naturally on their own. In English they are called Morels, in Urdu Gucchi, which is the hard-earned money of the people living on the hills. This is a priceless treasure of nature, to find which one has to make several rounds of the mountains. When, where and how are Gucchi found? Gucchi mushrooms are found in the months of March and April. During this time lightning strikes, clouds thunder and it also rains. Let us tell you, Gucchi is found, plucked and dried and then sold in Aripal, a very beautiful village located in Pulwama district of Kashmir. You will be surprised to know that good quality Gucchi sell for up to 40 thousand rupees per kg. Although they are used in many types of cuisines like Chinese, Arabic and Italian, but it is most enjoyed in Kashmiri food. The taste of preparing them in Pulao, Korma or stuffing cannot be tasted in any other cuisine. PM Modi is also crazy about the taste - When Gucchi is accompanied by other amazing flavors of Kashmir, the Pulao becomes even more delicious. It is said that it is included in the favorite vegetables of PM Narendra Modi. In an interview, PM Modi has also told about its taste and qualities. They are made only for special guests on special occasions and are loved not only in India but also in other countries. This is the reason why this mushroom found in Kashmir is included in the menu of many big restaurants in the world today.

If you want to make your children successful and good people, then definitely teach them these important things

For the good upbringing of children, it is important to inculcate good habits in them. Childhood habits stay with them throughout their life, so it is important to teach them good habits so that they become better people and can achieve success in life. So let's know about some such habits which are very important to teach children. Habits taught to children in childhood play an important role in building their future. Children never forget the habits taught to them in childhood. To make children successful and good people, it is important to teach them some good habits. Whether a person is an adult or a child, it takes some time to adopt good habits. In such a situation, good habits inculcated in childhood build a good personality and a good society. Anyway, habits inculcated in childhood stay with them throughout life and one has to face a lot of difficulties in trying to change them. Therefore, if good habits are followed in children from childhood, then these habits stay with them throughout their life. In such a situation, good parenting plays the most important role in the better physical and mental development of children. By incorporating some habits in the daily routine, you can create good behavior and a better future for children. So let's know about them. Set a daily reading time To inculcate the habit of reading in your children, make them develop the habit of reading at least 20 minutes daily in the morning or evening or at any time at night. For this, reading a story or a chapter of their favorite book before sleeping at night helps in their intellectual development. Habit of yoga for meditation Children's mind is fickle, due to which they have trouble concentrating. In such a situation, to increase attention and focus in children, make them develop the habit of doing yoga and meditation. Habit of healthy foods - Children should be made to develop the habit of eating healthy foods such as dry fruits or juice, pulses, milk, green vegetables since childhood. Instill the habit of physical activities To keep children always active in life, always keep them busy in physical activities. Doing this improves mood, energy level and cognitive functions. Develop the habit of expressing gratitude. Make children write down three things daily for which they are grateful to God. Also, teach them to say thank you, excuse me. Artistic hobbies- Set aside time for artistic development like painting and drawing in children daily. This develops their personal strengths. Sleep is important- Make it a habit to get adequate sleep of 8 hours for the physical, mental and emotional development of children, which is necessary for their health. Empathy- To develop the feeling of kindness and empathy in your children from childhood, get them to do such tasks like helping the poor.

Sharvari Wagh told how is the relationship with rumored boyfriend Sunny Kaushal's brother and sister-in-law, fans may be surprised to hear

Sharvari Wagh is in the limelight these days for her film Munjya. This movie is doing good collection in theaters. Now recently the actress has talked about Vicky Kaushal and Katrina Kaif. Let's know what is the relationship of Munjya actress with rumored boyfriend Sunny Kaushal's family and what has she said for him. Sharvari is enjoying the success of 'Munjya' The actress said this for Katrina-Vicky She will be seen in Veda with John Abraham After Tripti Dimri, actress Sharvari Wagh, who has earned the tag of National Crush, is in the limelight these days for her film 'Munjya'. This movie has been released in theaters a few days ago and is doing good business at the box office. In such a situation, now the actress is enjoying the success of the film at this time. Often there has been news about Sharvari Wagh that she is dating Vicky Kaushal's brother Sunny Kaushal. Many times both have been seen together and on special occasions both are also seen lavishing their love for each other. However, neither of them has made an official announcement about their relationship. Now recently in an interview, when the actress was asked about Vicky Kaushal and Katrina Kaif, she gave such an answer that fans may be surprised to hear. What did Sharvari say for Vicky-Katrina - Recently while talking to Filmi Gyan, the actress was asked some questions by the fan. One of the questions was that with whom does she share a good bonding between Vicky Kaushal and Katrina Kaif. In response to this, the 'Munjya' actress said that according to her, she has a good bonding with both of them. Gave the tag of power couple to Vicky-Katrina- Along with this, when she was asked another question that whose name comes to her mind on hearing the word power couple, Sharvari took the name of Vicky-Kat without taking any time. Will work with Alia- There are reports about Sharvari that she may soon be seen with Alia in a YRF film, which is going to be a spy universe. Along with this, her movie Veda is going to release with John Abraham in August, which will be released on August 15.

Saroj Khan was ready to hit Sonali Bendre on the set of Shah Rukh Khan's film, the actress told what was the reason

Sonali Bendre is the best actress of B Town. She has made a different place in the hearts of people with her acting. This is the reason why she has a good fan following today. Now recently the actress has shared an anecdote related to Saroj Khan. She has told that on the set of Shah Rukh Khan's film English Babu Desi Mem, the choreographer was ready to hit her. Sonali Bendre is one of the best actresses of Bollywood. She has worked with many stars of B Town from Salman Khan to Aamir Khan. Now Sonali is judging a dance reality show. Recently she has shared an anecdote related to her professional life. The actress has told that when she came to the industry, at that time she did not know how to dance at all. Sonali told that she used to be very nervous about being a part of dance songs. There was even a time when choreographer Saroj Khan got so upset with her during a song that she was ready to hit her. Shooting the song was like a nightmare - Sonali, while talking to Mid Day recently, told how she got the best song 'Humma Humma' from director Mani Ratnam's film 'Bombay', which became one of the most famous dance numbers of the 90s. Along with this, the actress also admitted that at that time she used to get a lot of anxiety while being a part of a dance number. Regarding this, Sonali said, I am not a professional dancer. I am not a professional actress. I have never done theater. Therefore, shooting a song was like a nightmare for me. Saroj Khan was ready to hit me - Sonali Bendre shared another anecdote and told that I did 'English Babu Desi Mem', where Saroj Khan was ready to hit me because I was not able to dance. I was trying to learn dance all the time and Ahmed Khan was Sarojji's assistant at that time. I remember how he would bribe me with chocolates and ice cream.

Will Karisma Kapoor be seen as a judge in 'India's Best Dancer 4'? Replaced this actress

You must have seen Karisma Kapoor many times on dance reality shows. However, then Karisma used to be a part of the show as a guest. But now it seems that Karisma has confirmed her judge's seat in a show. If the news is to be believed, Karisma will soon take over the judge's seat in the dance reality show India's Best Dancer. Karisma Kapoor will be seen as a judge. Sonali Bendre has been replaced by Karisma. Karisma has not yet signed the contract. A different kind of enthusiasm is seen among the audience regarding TV reality shows. Be it a singing reality show, a dance reality show or any other talent hunt show. In today's time, there is a lot of it on TV. The makers also keep making some changes in the coming time to keep the fans interested in the show. Now such news is coming from a dance reality show. Whom will she replace? - According to a report by News 18, Raja Hindustani actress Karisma Kapoor will be seen judging India's Best Dancer Season 4. Earlier, Sonali Bendre was seen as a judge on this platform. At present, the actress has not signed the contract of the show but she is very excited about this offer. At the same time, Malaika Arora got the judge's chair in the first and second seasons of the show. Karisma made the new judge - According to the portal, this time Sonali Bendre has not been approached for India's Best Dancer Season 4, so her return to the show is difficult. The makers are talking to Karisma Kapoor, maybe she will be finalized for this. Karisma Kapoor will be seen judging India's Best Dancer 4 along with the other two judges Geeta Kapoor and Terence Lewis. The first season of 'India's Best Dancer' came in 2020. The second season started on October 16, 2021. The finale of the third season was held on 30 September 2023. Samarpan Lama became the winner of this season. Samarpan won this trophy by defeating Anjali Mangai, Aniket Chauhan, Vipul Khandpal and Shivanshu Soni. Karishma was last seen in the film 'Murder Mubarak' which was released on Netflix. In this film, characters like Pankaj Tripathi, Vijay Verma and Sara Ali Khan were seen with her.